Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित
समय दर्शन
ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

श्री दुर्गा शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक माँ बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शताक्षी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 06, अंक 78 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, बुधवार 17 अप्रैल 2024 www.samaydarshan.in

कांकेर सीट पर 26 अप्रैल को मतदान होना होगा

छत्तीसगढ़ में 18 नक्सली ढेर:25 लाख का इनामी लीडर भी मारा गया; 2 जवान घायल

कांकेर(समय दर्शन)। लोकसभा चुनाव के पहले छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। कांकेर जिले के माड़ इलाके में पुलिस ने 18 नक्सलियों को ढेर कर दिया। इनमें नक्सली लीडर शंकर राव भी शामिल है। बीएसएफसूत्रों के मुताबिक, 30 नक्सली मारे जाने की खबर है। हालांकि, 12 पुष्टि अब तक नहीं हुई है। मुठभेड़ में बीएसएफ इंस्पेक्टर रमेश चौधरी सहित 3 जवान घायल हुए हैं। इनमें 2 डीआरजी के जवान हैं। मौके से 5 एके 47 बरामद की गई। कांकेर लोकसभा में दूसरे चरण में मतदान होना है। इसके लिए नामांकन फॉर्म भी भरे जा चुके हैं। कांकेर में 26 अप्रैल को वोटिंग होगी। वहीं, 4 दिन बाद 19 अप्रैल को बस्तर लोकसभा में वोटिंग होनी है।

25 लाख का इनाम था शंकर पर

मुठभेड़ में मारे गए शंकर राव और ललिता माड़वी डीवीसी रैंक के नक्सली लीडर थे। दोनों पर 25-25 लाख का इनाम घोषित था। पुलिस ने मौके से 4 ऑटोमेटिक हथियार भी जब्त किए हैं।

25 फरवरी: हूरतराई के जंगल में नक्सली एनकाउंटर में 3 नक्सली मारे गए थे।

3 मार्च: छोटे बेठिया के हिदूर में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में 1 नक्सली मारा गया था। जबकि एक बस्तर फाइटर का जवान शहीद हुआ था।

16 मार्च: मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया था।

2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान भी नक्सली हमला हुआ था। 2 बीएसएफ जवान शहीद हुए थे।

गांव-गांव में लग रहे नक्सलियों के पोस्टर

कबीरधाम जिले में नक्सलियों की सूचना देकर उन्हें पकड़वाने वाले को 5 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की गई है। एसपी अभिषेक पल्लव ने इनाम के साथ ही पुलिस विभाग में सरकारी नौकरी देने का भी ऐलान किया है। सूचना देने के लिए एक हेल्प लाइन नंबर 78988 15399 भी जारी किया गया है। इसके लिए जवान गांव-गांव में नक्सलियों की तस्वीर वाली पोस्टर दीवारों पर लगा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के छोटे बेठिया के माड़ इलाके में मंगलवार दोपहर से पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। इस मुठभेड़ में दो जवान घायल हुए हैं। इसकी पुष्टि कांकेर एसपी आई के एलेसेला ने की है। एसपी ने बताया कि, मुठभेड़ में घायल जवानों को जंगल से निकालने अतिरिक्त बल रवाना किया गया है।

'कोविड से मौत के मामले में मुआवजा कोई इनाम नहीं',- बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि कोरोना से मौत के मामलों में मुआवजा कोई इनाम नहीं है। हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी करते हुए एक विधवा महिला की याचिका खारिज कर दी। दरअसल महिला के पति की कोरोना महामारी के दौरान मौत हो गई थी। महिला का पति हैंडपंप हेल्पर था और महिला अपने पति की मौत के लिए सरकार से मुआवजा की मांग कर रही थी। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले की निवासी कंचन हमशेट्टे ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपने पति की मौत का मुआवजा देने की मांग की थी।

हावड़ा में रामनवमी रैली को लेकर टीएमसी पर भड़के पीएम मोदी, बोले- हर साल की तरह इस साल भी किया विरोध

कोलकाता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं। बंगाल के बालुरघाट में उन्होंने मंगलवार को एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राज्य की टीएमसी सरकार की आलोचना की।

पीएम मोदी ने ममता सरकार पर घुसपैठियों को सुरक्षा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ममता सरकार घुसपैठियों को तो सुरक्षा देती है लेकिन नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का विरोध कर रही है, जो शरणार्थियों को नागरिकता देता है। उन्होंने कहा कि राज्य में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और अपराध हैं। जब केंद्रीय एजेंसियां इन मामलों की जांच करने की कोशिश करती हैं तो उन पर हमला हो जाता है। ऐसा लगता है कि टीएमसी ने घुसपैठियों और गुंडों को राज्य पट्टे पर दे दिया है।

रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि टीएमसी को लगता है कि दलित, आदिवासी और गरीब अपनी मर्जी से हिल भी नहीं सकते हैं। लेकिन 2024 का यह चुनाव उन्हें बता देगा कि बाबासाहब अंबेडकर के लोकतंत्र में दलित, वंचित और आदिवासी टीएमसी के गुलाम नहीं हैं। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने आदिवासी समुदाय की महिलाओं को अपने घुटनों पर झुका दिया लेकिन जल्द ही टीएमसी घुटनों पर आ जाएगी। यहां के आदिवासी समाज के त्याग और बलिदान का देश पर बड़ा कर्ज है। आज भाजपा आदिवासियों और दलितों के सम्मान के लिए लड़ रही है। भाजपा ने ही देश को पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति दी। टीएमसी जैसी पार्टी दलित, आदिवासी महिलाओं को अपना बंधक बनाकर रखना चाहती है।

टीएमसी की दुकान बंद हो जायेगी इसलिए फैला रहे झूठी खबर

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बालुरघाट में आज उमड़ा यह जनसैलाब को देखकर लगता है कि इस बार जीत विकास की होगी। आज पूरा राज्य कह रहा है 4 जून को 400 पार और फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि टीएमसी को लग रहा है कि पीएम मोदी ने योजनाओं को हर गरीब के दरवाजे तक पहुंचाने की गारंटी दे दी है। टीएमसी को लगता है कि अगर जनता को मोदी की गारंटी से लाभ मिला तो राज्य की जनता का विकास हो जाएगा।

भाजपा के घोषणा पत्र में बस दो विजन- ओलंपिक कराना और चांद पर भेजना- राहुल

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज केरल दौरे पर हैं। केरल के मल्लापुरम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने भाजपा के घोषणा पत्र पर तंज कसा और कहा कि कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र में सभी वर्गों के लिए रणनीति बनाई गई है।

राहुल गांधी ने भाजपा के संकल्प पत्र पर कसा तंज

जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने कहा 'मैं आप सभी से अपील करूंगा कि आप हमारा घोषणा पत्र पढ़ें। हमने रोजगार, किसानों, मजदूरों, महिलाओं और युवाओं, सभी के लिए रणनीति बनाई है। भाजपा ने भी कुछ वादे किए हैं। उनके पास मुख्यतः दो विचार हैं, एक तो ओलंपिक खेलों को भारत लाना और दूसरा किसी को चांद पर भेजना। बेशक, वे रॉकेट का इस्तेमाल करेंगे, जिसे इसरो बनाएगा। इसरो को कांग्रेस पार्टी ने बनाया, उसका समर्थन किया और विकसित किया।'

इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर साधा निशाना

वायनाड लोकसभा सीट पर अपने प्रचार अभियान के दौरान कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार चुनिंदा कारोबारियों को निशाना बनाने के लिए अलग तरीके अपना रही है। गांधी ने आरोप लगाया, 'हर छोटे शहर या गांव में कुछ लोग होते हैं जो शारीरिक नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर सड़कों पर पैसे वसूलते हैं। मलयालम में आप इस जबरन वसूली को 'कोल्ला आदिकल' कहते हैं, लेकिन मोदी इसे चुनावी बॉण्ड कहते हैं। जैसा आम चोर सड़कों पर करते हैं, वैसा प्रधानमंत्री अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कर रहे हैं।' उन्होंने प्रधानमंत्री पर देश के कुछ उद्योगपतियों की मदद करने का भी आरोप लगाया।

सोमवार को पीएम मोदी ने एक इंटरव्यू दिया, जिसमें उन्होंने इलेक्टोरल बॉन्ड पर अपनी बात रखी। इसे लेकर राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधा और कहा कि 'ये नरेंद्र मोदी का आइडिया था। वे कहते हैं कि राजनीति में पारदर्शिता लाने के लिए, ऐसा किया गया था, लेकिन पारदर्शिता लाने के लिए किया गया था तो इसमें नाम क्यों छुपे थे? जब सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डाटा सामने आना चाहिए तो उसे कौन रोक रहा था?' राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि ये हिंदुस्तान की सबसे बड़ी हफ्तेबाजी की योजना है।

रेल मंत्रालय को नहीं पता वंदे भारत ट्रेनों से कितना राजस्व आया, आरटीआई के तहत सवाल का मिला यह जवाब

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय वंदे भारत ट्रेनों के राजस्व सृजन का अलग से कोई रिकॉर्ड नहीं रखता है। इसलिए उसे नहीं पता कि वंदे भारत ट्रेनों के परिचालन से उसे कितना राजस्व प्राप्त हुआ। मंत्रालय ने सूचना के अधिकार के तहत पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह बात कही है। मध्य प्रदेश के चंद्रशेखर गौड़ ने पूछा था कि रेल मंत्रालय ने पिछले दो साल में वंदे भारत ट्रेनों से कितना राजस्व अर्जित किया है और क्या इससे उनके परिचालन से कोई लाभ या हानि हुई है? इसके जवाब में रेल मंत्रालय ने कहा ट्रेनों के आधार पर राजस्व के आंकड़े एकत्र नहीं किए जाते। वंदे भारत देश की पहली सेमी-हाई स्पीड ट्रेन है जिसे 15 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली और वाराणसी के बीच हरी झंडी दिखाई गई थी और आज 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 284 जिलों को कवर करते हुए 100 मार्गों पर 102 वंदे भारत ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

प्रतिभा पब्लिक स्कूल खटखटी बसना में बगैर मान्यता के चल रहे कक्षाओं को किया गया बंद

आरटीआई कार्यकर्ता निलेश अग्रवाल की शिकायत पर सामने आया सच

बसना(समय दर्शन)। मीडिया में लगातार खबर प्रकाशन होने के बाद प्रतिभा पब्लिक स्कूल खटखटी बसना के द्वारा बगैर मान्यता के चल रहे कक्षा 11वीं एवं 12वीं को बंद तो कर दिया गया है,परन्तु शिक्षा विभाग के द्वारा जारी नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है।

अभी भी कक्षा नर्सरी से स्मार्ट में अध्यापन का कार्य तथा जगदीशपुर रोड बसना में प्रतिभा किड्स विद्यालय का संचालन जारी है। जिसकी कोई मान्यता ही नहीं है।

आर.टी.आई. कार्यकर्ता निलेश अग्रवाल के द्वारा प्रतिभा पब्लिक स्कूल खटखटी बसना के संबंध में भारी अनियमितताओं को लेकर शिक्षा विभाग को शिकायत की गई थी। शिकायत के आधार पर तीन सदस्यीय जांच समिति अरुण प्रधान, अमरदास कुर्रे, युवराज ध्रुव ने जांच तो किया परंतु एक माह बीत जाने के बाद भी जांच प्रतिवेदन की कॉपी उपलब्ध नहीं कराया है। यहां तक कि जांच अधिकारी अमरदास कुर्रे ने शिकायतकर्ता को जांच प्रतिवेदन की कॉपी देने में असमर्थता जाहिर करते हुए पल्ला झाड़ लिया।

जिससे जांच टीम की गतिविधियां संदेह के दायरे में है। प्रतिभा पब्लिक स्कूल खटखटी और जांच टीम की कहीं मिली भगत तो नहीं, कहीं अधिकारियों से गलत जांच रिपोर्ट बनवाने विद्यालय ने मोटी रकम तो नहीं दी है। इस तरह के अनेकों सवाल खड़े हो रहे हैं ?

बता दें कि, गरीबी रेखा से नीचे आने वाले छात्रों को शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आर.टी.ई.)के तहत् शासन से मिलने वाली राशि को बंदरबांट किये जाने की खबर सामने आ रही है।

खटखटी बसना में स्थित प्रतिभा पब्लिक स्कूल जहां कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा 12 वीं तक की कक्षाएं संचालित है। साथ ही

जगदीशपुर रोड बसना में प्रतिभा किड्स नामक विद्यालय भी संचालित है।

जबकि उक्त विद्यालय को सिर्फ खटखटी में पहली कक्षा से लेकर दसवीं तक की ही मान्यता है। नर्सरी से स्मार्ट 2 एवं 11वीं,12वीं की मान्यता ही नहीं है।

बगैर मान्यता के यह सब शिक्षा विभाग के नाक के नीचे चल रहा था, जिसकी शिकायत निलेश अग्रवाल के द्वारा शिक्षा विभाग को की गई थी।

शिकायत के आधार पर जांच अधिकारियों ने बगैर मान्यता के चल रहे कक्षा 11वीं एवं 12 वीं को तो बंद करने की सलाह दी, परंतु नर्सरी से स्मार्ट 2 को बंद करने या प्रतिभा किड्स को बंद करने की सलाह नहीं दी। यहां तक कि, आज पर्यंत विद्यालय पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है जिससे अधिकारियों के साथ मिलीभगत की आशंका जताई जा रही है। शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों को कार्रवाई करने में हाथ क्यों कांप रहे हैं ? क्या इनके हाथ भी रंगे हुए हैं ? सब जानते हुए कार्रवाई नहीं किये जाने से अनेकों तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं।

उल्लेखनीय है भारत सरकार ने इन समस्याओं को जड़ से खत्म करने के उद्देश्य से वर्ष 2009 में निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा प्रणाली की शुरुआत की ,जिसके तहत प्रत्येक शासकीय एवं निजी विद्यालयों में 3 से 14 वर्ष तक के गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा मिले इस योजना का नाम है-आर.टी.ई. अर्थात् निशुल्क शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009. ये अधिनियम कहता है कि ,यदि कोई पालक गरीब है और उसका बच्चा 3 से 14 वर्ष की आयु का है तो उसे अपने नजदीकी शासकीय या निजी विद्यालय में निःशुल्क प्रवेश दिया जायेगा,,साथ ही विद्यालय में संचालित अधिकतम कक्षा तक बच्चे की पढ़ाई का पूरा खर्च शासन वहन करेगी।

शासन ने विद्यालयों को भी इस योजना के क्रियान्वयन के लिए आदेशित किया है कि विद्यालय में दर्ज संख्या का 25% सीट गरीब बच्चों के लिए आरक्षित रखा जाये और उसका लाभ उन गरीब छात्रों को मिले। शासन के द्वारा निर्देश जारी किया गया है कि यदि कोई विद्यालय निर्देश का पालन नहीं करता है तो उक्त विद्यालय के विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी और उसकी मान्यता समाप्त की जा सकती है।

गौरतलब है कि महासमुंद जिले के बसना, सरायपाली एवं बागबाहरा में संचालित प्रतिभा पब्लिक स्कूल का नजारा कुछ और ही देखने को मिल रहा है। प्रतिभा पब्लिक स्कूल के द्वारा इस योजना की धज्जियां उड़ाते हुए इसे नोट छापने की मशीन के रूप में इस्तेमाल कर प्रशासन को अब तक करोड़ों रुपयों राजस्व का चूना लगाया है। विद्यालय में दर्ज संख्या का 25% सीट गरीब परिवार के बच्चों के लिए आरक्षित है तो वहीं प्रतिभा पब्लिक स्कूल ने गरीब छात्रों के अधिकार को छीनकर अमीर घराने के बच्चों को फायदा पहुंचाया है। यही कारण है कि गरीब, गरीब होता जा रहा है और अमीर, अमीर होता जा रहा है।

दरअसल जो सीट गरीब परिवार के बच्चों को मिलना चाहिये था उसे प्रतिभा पब्लिक स्कूल ने अपने निजी लाभ के लिए उक्त सीट को अपने चहेते लोगों को दे दिया गया है।

अधिनियम कहता है कि, विद्यालय में दर्ज संख्या का 25 प्रतिशत सीट गरीब परिवार के बच्चों को देते हुए उसकी सूची बनाकर नोडल अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी से प्रमाणित करवाकर लोक शिक्षण संचालय, स्कूल शिक्षा विभाग रायपुर को देना होता है जिसके अवलोकन पश्चात् शिक्षा विभाग संबंधित विद्यालय के खाते में राशि अंतरित कर देती है। मां दुर्गा च्वाईस सेंटर बसना के संचालक निलेश अग्रवाल ने प्रतिभा पब्लिक स्कूल द्वारा किये जा रहे करोड़ों के घोटाले पर से पर्दा हटाने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी महासमुंद से सूचना का अधिकार के तहत् ऐसे बच्चों की सूची की मांग की थी जिनको प्रतिभा पब्लिक स्कूल द्वारा निशुल्क प्रवेश दिया गया हो, परंतु विद्यालय के अनियमितताओं पर पर्दा बनाये रखने और अपनी कुर्सी बचाने के उद्देश्य से तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी महासमुंद श्रीमती मीता मुखर्जी ने सूचना का अधिकार अधिनियम की अवहेलना करते हुए ऐसी सूची देने से साफसाफइंकार कर दिया। निलेश अग्रवाल ने पुनः 28 आवेदन लगाकर सूचना का अधिकार के तहत दस्तावेज की मांग की थी जिस पर नए जिला शिक्षा अधिकारी महासमुंद का कहना है कि, प्रायवेट स्कूल सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत नहीं आता है, अतः आपको सूचना नहीं दिया जाएगा। सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के बारे में नव पदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी महासमुन्द को जानकारी का अभाव है। आर.टी.आई. कार्यकर्ता निलेश अग्रवाल ने शिक्षा विभाग के उच्च कार्यालय में आवेदन कर ये जानकारी प्राप्त की है, जिसके अनुसार प्रतिभा पब्लिक स्कूल को पिछले 2 वर्ष में निशुल्क शिक्षा का अधिकार कानून के तहत 37 लाख रुपए की राशि आवंटित की गई है और सबसे मजे की बात ये है कि सूची में दर्ज अधिकांश नाम शहर के करोड़पतियों के घरों से संबंधित है तो वहीं कुछ नाम फर्जी हैं इसी विद्यालय में इस वर्ष कक्षा 11वीं में अध्ययनरत छात्र सत्यजीत पुष्टि (संचालक नीता पान पैलेस, मेन चौक बसना) ने प्रतिभा पब्लिक स्कूल में आर.टी.ई. के तहत ही प्रवेश लिया था परंतु विद्यालय के प्राचार्य श्रीमती मेहरून निशा खान ने छात्र को परीक्षा से निष्कासित करने की धमकी देकर उससे 40 हजार रुपये की राशि वसूली की है। नीलेश अग्रवाल ने मीडिया को जानकारी देते हुए आगे बताया कि यह विद्यालय पैसों के लिए किसी भी हद तक गिर सकता है, जहां एक तरफप्रतिभा किड्स नामक विद्यालय के संचालन की कोई मान्यता ही नहीं है तो वहीं प्रतिभा पब्लिक स्कूल खटखटी बसना में संचालित कक्षायें 11वीं एवं 12वीं गैर मान्यता प्राप्त है। शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित मापदंड के अनुसार शिक्षक भी नहीं हैं।निजी लाभ के लिए प्रशासन द्वारा प्रतिबंधित निजी प्रकाशित किताबों से अध्यापन का कार्य किया जाता है तो वहीं यूनिफॉर्म में भी कमीशन खोरी का काम किया जा रहा है। इस तरह के और भी कई अनियमितताएँ विद्यमान है जिस पर निष्पक्ष जांच करने पर कई बड़े खुलासे होने और बंदरबांट करने वाले अधिकारियों के चेहरे पर से पर्दा हटेगा।

प्राचार्य ने जांच अधिकारी को दस्तावेज दिखाने से कर दिया मना

पूर्व में भी निलेश अग्रवाल ने प्रतिभा पब्लिक स्कूल में अयोग्य शिक्षकों द्वारा अध्यापन का कार्य किए जाने की शिकायत की थी जिसके जांच में शाला बसना के प्राचार्य ने प्रतिभा पब्लिक स्कूल खटखटी बसना के प्राचार्य से शिक्षकों की योग्यता संबंधी दस्तावेज दिखाने को कहा, जिस पर प्राचार्य श्रीमती मेहरून निशा खान ने जांच अधिकारी को दस्तावेज दिखाने से मना कर दिया। यदि विद्यालय में योग्य शिक्षकों द्वारा अध्यापन का कार्य किया जाता तो दस्तावेज दिखाने में कोई परेशानी नहीं होना था परंतु दस्तावेज न दिखाना शिकायत को स्वयं सिद्ध करता है. अपने बच्चों के भविष्य को लेकर माता-पिता को चिंता रहती है। माता पिता चाहते हैं कि हमारा बच्चा अच्छे विद्यालय से पढ़ाई कर एक अच्छे, संस्कारी और मेहनती इंसान बने। परंतु गरीबी एक ऐसी बीमारी है जिसके कारण अधिकांश गरीब परिवारों का यह सपना सपना ही रह जाता है।बच्चा चाहे कितना भी होनहार क्यों न हो लेकिन आर्थिक समस्या की वजह से बच्चा किसी अच्छे विद्यालय से पढ़ाई नहीं कर पाता और एक सामान्य इंसान बनकर ही रह जाता है, लोग सदियों से इस परेशानी से जूझते आ रहें हैं।

संक्षिप्त समाचार

संविधान का संकल्प पत्र से तुलना भाजपा का नकारात्मक सोच का उदाहरण- कुसुम दुबे

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की सचिव एवं खैरागढ़ विधानसभा की प्रभारी अधिवक्ता श्रीमती कुसुम दुबे ने मुख्यमंत्री के भारतीय संविधान का संकल्प पत्र की तुलना पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद धारी को संविधान से राजनीतिक पत्र का तुलना करना उनकी संविधान के प्रति नकारात्मक सोच का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान से देश चलने के साथ मौलिक अधिकार आम जनता को प्रदान किए हैं जो अक्षुण है। वहीं संकल्प पत्र वर्ष 2004, 2009,14 19 अब 2024 के संकल्प पत्रों से भाजपा का बदलता चेहरा साफ नजर आता है। वर्तमान में गैस पाइप लाइन के से गैस प्रदान करने की बात की जा रही है। सांसद संतोष पांडे के संपूर्ण संसदीय क्षेत्र में पाइपलाइन बिछाने वाले गेल लिमिटेड ने किसानों के खड़ी फसल व सिंचाई के लिए बिछाए गए ड्रिप इरिगेशन को जिस प्रकार से तहस-नहस कर उन्हें आर्थिक मार दी है। यहां तक की किसानों को मुआवजा भी प्रदान न कर सीधे उनको जहां फसल से वंचित किया और दोहरा आर्थिक मार दी। उन्होंने कहा कि - ऐसी स्थिति में भाजपा और संसद में थोड़ी भी नैतिकता है तो गेल लिमिटेड पर अपराध दर्ज कराकर किसानों को उनकी भूमि और उनकी संपत्ति के नुकसान का मुआवजा प्रदान कराएं। शौचालय की राशि का हेराफेरी भी लोकसभा क्षेत्र में जगजाहिर है। पीएम उज्जवला गैस योजना के नाम महिलाओं को मुक्त गैस देने का सब्जबाग दिखाकर रिफिलिंग के बोझ तले दबाने का काम भी बीजेपी ने किया है। उज्जवला गैस कनेक्शन की रिफिलिंग का प्रतिशत आंकड़ों के अनुसार उजागर हुआ है जो गरीब परिवारों के साथ जुमलेबाजी और अन्याय का साफ उदाहरण है।

आबकारी अमला द्वारा की गई अवैध शराब के विरूद्ध कार्यवाही

धमतरी (समय दर्शन)। कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी के निर्देश पर जिले में अवैध शराब के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी प्रभाकर शर्मा ने बताया कि नगरी के ग्राम बहनापाथरा नाला में आबकारी अमला द्वारा कार्यवाही कर 90 लीटर महुआ शराब जप्त किया गया तथा लगभग दो हजार किलो महुआ लाहन जप्त कर नष्ट किया गया। साथ ही अज्ञात आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 34(1) च के तहत कार्यवाही की गयी। कार्यवाही में आबकारी उप निरीक्षक प्रद्युम्न नेताम, निशांत साधु, सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर धर्मेश साहू ने पीडब्ल्यूडी, जल संसाधन, एनएच, हाउसिंग बोर्ड की ली बैठक

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), जल संसाधन विभाग, राष्ट्रीय और राज्यीय राजमार्ग (नेशनल एवं स्टेट हाईवे) सहित हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों के साथ बैठक लिया। बैठक में कलेक्टर साहू ने सभी अधिकारियों से उनके द्वारा जिले में अब तक किए गए पूर्ण, अपूर्ण और प्रगतिरत विभागीय कार्यों की जानकारी लेकर समीक्षा किया। साहू ने सभी प्रगतिरत और अधूरे कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर साहू को लोक निर्माण विभाग के अधीन कार्यों के बारे में पीडब्ल्यूडी एसडीओ विग्नेश कुमार ने जानकारी दी। इसी प्रकार एसडीओ जल संसाधन विभाग रतिराम सिंह, डी.आर. डहरिया और एस.के. चन्द्राकर ने क्रमश: बरमकेला, सारंगढ़ और पवनी भटगांव क्षेत्र में जल संसाधन विभाग के अंतर्गत आने वाले जलाशय, लघु जलाशय, सिंचाई व्यवस्था, मरम्मत के कार्यों आदि के बारे में बताया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक पंचायत हरिशंकर चौहान, हाउसिंग बोर्ड, नेशनल और स्टेट हाईवे के अधिकारी उपस्थित थे।

घर बैठे बनवाएं मतदाता परिचय पत्र

लकेश्वर बघेल

बलौदाबाजार (समय दर्शन)। देशभर में सात चरणों में चुनाव होना है लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे 4 जून 2024 को घोषित किए जाएंगे इस समय आम सभा चुनाव का शेड्यूल जारी किया जा चुका है यह भारत के सबसे लंबा चलने वाला आम चुनाव होगा । जो केवल 44 दिनों तक चलेगा बात करें छत्तीसगढ़ की तो यहां की 11 सीटों के लिए तीन चरणों में मतदान होगा जिसमें पहले चरण 19 अप्रैल को सिर्फ बस्तर में वोटिंग होगी तो वही दुसरे चरण में 26 अप्रैल में राजनांदगांव, महासमुंद, कांकेर की सिटे शामिल हैं । तीसरे चरण 7 मई में सरगुजा, रायगढ़, जांजगीर चांपा, कोरबा, बिलासपुर दुर्ग और रायपुर में वोटिंग होगी। अब घर बैठे बनेगा मतदाता परिचय पत्र- यदि कोई घर में व्यक्ति जो पहली बार मत डालेगा या जिसके मतदाता परिचय पत्र नहीं है या फिर है भी,तो उसमें गड़बड़ी है तो यह तरीका आपके लिए मददगार हो सकता है इनमें से अपना सिर्फ मतदाता परिचय पत्र बनवा पाएंगे बल्कि उसे अपडेट भी करा पाएंगे

अगर बनवाना है, नया वोटर आईडी पहला - सबसे पहले फोन या लैपटॉप का ब्राउजर खोलें। फिर https//voters.eci.gov.in/ लिंक पर जाएं। दुसरा - स्क्रीन पर कुछ फार्म खुल जाएंगे। यहां से आप फिल फार्म नं 6 विकल्प चुनें। तिसरी - साइन-अप पर क्लिक करें। मोबाइल नंबर, कैप्चर डालकर कंटिन्यू पर क्लिक करें। चौथा - नाम डालें और कोई पासवर्ड बनाएं। ओटीपी की मदद से रजिस्ट्रेशन पूरा कर लें। पांचवां- इसके बाद फिर से फिल फॉर्म नं 6 पर जाएं। लॉग-इन

करेंगे तो फॉर्म खुल जाएगा। छठवां -सारी डिटेल भरें। दस्तावेजों और फोटो को जेपीइजी या जेपीजी फ ॉर्मेट में अपलोड करें। सातवां - अंतिम में रेफरेंस नंबर डालकर प्रक्रिया को पूरा करें। इसके बाद 15-20 दिन में वोटर आईडी कार्ड आपके पास आ जाएगा।

अगर करानी है जानकारी अपडेट - 1) ब्राउजर खोलें और इस https//voters.eci.gov.in/ लिंक पर जाएं। 2) फॉर्म नं- 8 पर जाकर लॉग-इन करें। 3) अपना वोटर आईडी कार्ड नंबर और राज्य का नाम डालें और फैच डीटेल पर क्लिक करने के बाद प्रोसीड पर क्लिक कर दें। 4) इसके बाद आपकी सारी डिटेल स्क्रीन पर दिखने लगेगी। इसे पढ़ने के बाद नेक्स्ट विकल्प पर क्लिक करें। यहां आधार नंबर, सरनेम और स्थानीय भाषा चुनें, फिर जो भी जानकारी सही करानी है उसे चुन लें। 5) जानकारी (जो परिवर्तित की गई है) की पुष्टि करने वाला दस्तावेज सबमिट करें, इसका साइज 2 एमबी ही रखें। 6) प्रक्रिया को पूरा करने के बाद रिफरेंस नंबर आएगा, जिसे आप नोट कर लें।

अपटेड जानने के लिए ऐसे करें ट्रैक

1) ब्राउज़र पर जाकर https//voters.eci.gov.in लिंक पर जाएं। 2) इसके होम पेज पर दाईं ओर एक विकल्प दिखेगा 'ट्रैक योर एप्लीकेशन' उस पर क्लिक करें। 3) यहां एप्लीकेशन नंबर डालकर राज्य चुन लें। 4) ऐसा करते ही आप अपनी प्रक्रिया का स्टेटस जान पाएंगे। नोट-: आप इसके लिए वोटर हेल्पलाइन एप की भी मदद ले सकते हैं। एप में लॉग-इन करने के बाद आप क्रमश: फॉर्म नंबर 6 और 8 का उपयोग कर सकते हैं। साथ ही 'ट्रैक योर एप्लीकेशन' से स्टेटस भी जांच सकते हैं। आशा है पाठकों के लिए यह खबर बहुत मददगार साबित हुई होगी।

युवा हो तुम देश की शान ।
उठों जागो और करो मतदान।।

मोदी की गारंटी से देशवासियों में उम्मीद जगी है- अभिषेक सिंह

सर्व समाज की चिंता और लेनदेन में पारदर्शिता व्यापारी की पहचान है- अजय भसीन

राजनंदगांव (समय दर्शन)। स्थानी उदयाचल भवन में कल व्यापारी सम्मेलन संपन्न हुआ. जिसमें 32 संगठनों के प्रमुख व्यापारी उपस्थित हुए, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने कहा कि मोदी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के निर्माण और ईमानदारी से उसका क्रियान्वयन करने पर व्यापारी सदैव ही सजग और सक्रिय रहा है, मोदी जी की गारंटी विश्व स्तर पर अपना परचम लहरा रही है, इसके पीछे मोदी जी का 10 वर्षों का अथक परिश्रम है, श्री सिंह ने कहा की मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में लघु एवं मध्यम व्यापार को बढ़ावा देने के लिए मुद्रा लोन की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख करेगी। भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में व्यापारी जगत का बड़ा योगदान हैं, मोदी जी ने मेक इन इंडिया एवं लोकल फॉर वोकल का नारा देकर भारतीय व्यापरियों के लिए सुगम व्यापार के बाजार खोलने का मार्ग प्रसस्त किया हैं। मोदी जी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय सिद्धांत का पालन किया, और सभी के लिए रोटी, कपड़ा, मकान, स्वच्छता, बिजली, जल व रोजगार की न्यूनतम सुविधा से अंतिम व्यक्ति का भला करने का लक्ष्य को लेकर पूरी ईमानदारी से जूटे हुए हैं। अभिषेक सिंह ने व्यापारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आने वाला भविष्य भारत का है, अब चीन की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। पाकिस्तान कहीं भी दिखाई नहीं दे रहा है। अब विश्व की सभी बड़ी कंपनियां भारत आने के लिए उत्सुक हैं, इसलिए भारत के व्यापारी निडर होकर अपना व्यापार कर सकते हैं, क्योंकि देश में एक मजबूत सरकार बैठी है। अभिषेक सिंह ने 26 अप्रैल को देश में फिर से मजबूत सरकार बनाने के लिए शत प्रतिशत मतदान का आह्वान किया। भाजपा मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार व्यापार सम्मेलन के शुभारंभ में स्वागत भाषण संस्था के अध्यक्ष राजा माखीजा ने दिया, तत्पश्चात अपने उद्बोधन में चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय भसीन ने कहा कि मोदी को मजबूत करने के अभियान में सर्वाधिक सक्रिय भूमिका व्यापारी वर्ग की रहती है। व्यापारी ही ऐसा व्यक्ति है जो सर्व समाज की चिंता और लेनदेन में पारदर्शिता अपनाते हुए समाज और देश की चिंता करता है। सम्मेलन को व्यापारी प्रकोष्ठ के वरिष्ठ नेता खूबचंद पारख ,लाभचंद बाफना ने भी संबोधित किया। उदयाचल परिसर व्यापारियों से खचाखच भरा हुआ था, और सभी व्यापारी उत्साहित दिखे सम्मेलन का सफल संचालन राजकुमार बाफना ने किया एवं आभार प्रदर्शन पूर्व जिला संयोजक एवं प्रदेश सदस्य उत्तम गिडिया ने किया। सम्मेलन को मधुसुदन यादव, संतोष अग्रवाल, राजेन्द्र गोलछा, भरत वर्मा, नीलू शर्मा, पुखराज बाफना, मनोज बैद, आलोक बिंदल एवं सहसंयोजक जैनम बैद ने भी सबोधित किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विष्णुप्रसाद लोहिया, उमेदचंद कोठारी, सागर गोलछा, योगेश सारथी, सुभाष हरिहरणो, सुधा पावर जी, चंकी अग्रवाल, दिनेश गुप्ता, योगेश खत्री, राहुल जायसवाल, पंकज जैन, संजय शर्मा अनिल पुराणीक, हर्षु भाई रायचा, संतोष सावा, नाथा भाई रायचा, विजय हरिहारणों, अनिल बराडिया, जबल चंद , सुनील उभरानी, सुरेश अग्रवाल, एवं महेश आहूजा सहित अनेक व्यापारीगण उपस्थित थे।

भाजपा का संकल्प पत्र मोदी की गारंटी, सुरक्षित, समृद्ध विकसित भारत की गारंटी-अरुण साव

भाजपा के संकल्प पत्र में 10 वर्षो के ट्रैक रिकार्ड के साथ 25 सालो का विजन-अरुण साव

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोकसभा चुनाव के लिए जारी भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र 'मोदी की गारंटी' को विकसित भारत का संकल्प पत्र बताते हुए कहा है 76 पन्नों का यह संकल्प पत्र के देशभर से मिले 15 लाख सुझावों का प्रतिबिम्ब है जिसे 24 समूहों में बाँटा गया है। 10 सोशल ग्रुप में गरीब, युवा, मध्यम वर्ग, मछुआरे, वंचित वर्ग, सीनियर सिटीजन, पिछड़े एवं कमजोर वर्ग शामिल हैं। वहीं, गवर्नेंस को 14 सेक्टर्स में बाँटा गया है। श्री साव ने कहा कि संकल्प पत्र में भारत के अन्य देशों से संबंध, आंतरिक एवं बाहरी सुरक्षा, समृद्ध भारत, ईज ऑफ लिविंग, विरासत का विकास, गुड गवर्नेंस, सुशासन, स्वस्थ भारत, शिक्षा, खेल, सभी सेक्टर्स का विकास, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी और पर्यावरण को रखा है। प्रेस वार्ता में भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी,जिलाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा,विधायक ललित चंद्रकार,राजेंद्र पाधेय ,जिला महामंत्री सुरेंद्र कौशिक माजूद रहे।

भारत निर्वाचन आयोग के अनिवार्य सेवा के तहत जिले के पत्रकारों ने किया डाक मतपत्र से मतदान

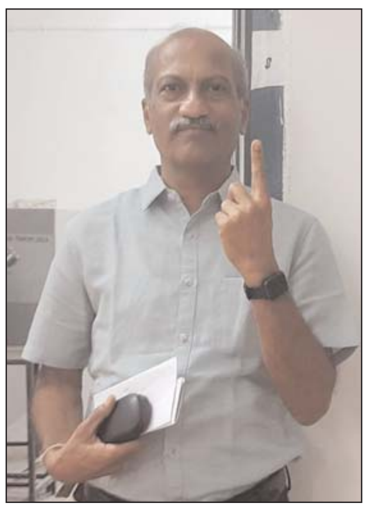

महासमुंद (समय दर्शन)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के लिए 10 सेवाओं को अनिवार्य सेवा के रूप में अधिसूचित किया गया है। इन 10 सेवाओं में प्राधिकार पत्र प्राप्त मीडियाकर्मी सहित स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, रेल परिवहन, डाक एवं टेलीग्राम विभाग, बीएसएनएल, आल इण्डिया रेडियो, दूरदर्शन, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित एवं भारतीय खाद्य निगम शामिल है। इस अनिवार्य सेवा का लाभ उठाते हुए पहली बार जिले के तीन पत्रकारों ने अपने मताधिकार का उपयोग डाक मतपत्र के माध्यम से किया है। महासमुंद जिले के वरिष्ठ पत्रकार संजय डफले, जितेन्द्र सतपथी एवं जयदेव सिंह ने डाक मतपत्र अंतर्गत अनिवार्य सेवा के लिए स्थापित सुविधा केन्द्र में 15 और 16 अप्रैल को मतदान किया। मतदान के पश्चात इस नवाचार के संबंध में जिले के वरिष्ठ पत्रकार संजय डफले ने आयोग के पहल की सराहना करते हुए कहा कि लोकतंत्र के महापर्व के दिन मतदान केंद्रों में कवरेज के लिए सुबह से शाम तक पत्रकार भाग- दौड़ में जुटे रहते हैं। खुद का वोट डालने के लिए उन्हें बहुत कम समय मिलता है, इसे ध्यान में रखते हुए भारत निर्वाचन आयोग ने पहली दफा आयोग से अधिकृत पत्रकारों को अनिवार्य सेवा में शामिल करते हुए उन्हें पोस्टल बैलेट से मतदान की सुविधा प्रदान की है। आज मैंने इस सुविधा का उपयोग कर नई सरकार बनाने में अपना योगदान दिया। इसी तरह पत्रकार जयदेव सिंह ने मतदान के पश्चात कहा कि छत्तीसगढ़ लोकसभा चुनाव 2024 में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा फ्रंट लाइन वर्कर के अलावा मीडिया में कार्यरत पत्रकारों को भी बैलट पेपर से मतदान करने की जो सुविधा मुहैया कराया गया है वह काबिले तारीफ है। क्योंकि एक पत्रकार आम जनता, कार्यपालिका और विधायिका के बीच सेतु का काम करते हैं, और इस बीच कई दफा वे अपने अधिकारों से वंचित रह जाते हैं। भारत निर्वाचन आयोग की इस व्यवस्था से अब पत्रकार साथी अपने अधिकार से वंचित नहीं रहेंगे। मुझे रीढ़ की हड्डी में परेशानी है और ज्यादा समय तक खड़े रह पाना मेरे लिए बहुत ही मुश्किल होता है, भारत निर्वाचन आयोग की यह व्यवस्था से वोट करना मेरे लिए आसान हो गया। मतदान के दिन पोलिंग बूथ में लाइन लगाकर घंटों अपनी पारी का इंतज़ार करना शायद मेरे लिए आसान नहीं होता। लेकिन भारत निर्वाचन आयोग की ऐसी व्यवस्था से वोट देना मेरे लिए संभव हो पाया है। पूरे विश्व में भारत ही एकमात्र लोकतांत्रिक देश है, और इसी देश में ऐसी व्यवस्था की कल्पना की जा सकती है। शायद ऐसी व्यवस्था न होता तो मतदान के दिन मैं अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं कर पाता। भारत निर्वाचन आयोग को मेरी ओर से साधुवाद।

स्थानीय जनता का राजमहल के प्रति आक्रोश कांग्रेस प्रत्याशी डॉ मेनका सिंह को पड़ेगा भारी

स्थानीय प्रत्याशी होने के बावजूद सारंगढ़ में क्यों पिछड़ते नज़र आ रही कांग्रेस

सारंगढ़ (समय दर्शन)। आजादी के बाद देश में राजे-रजवाड़ों का दौर भले ही खत्म हो गया हो, राज करने और माननीय बने रहने की इच्छा खत्म नहीं हुई। छत्तीसगढ़ के ज्यादातर राजपरिवार कांग्रेस से ही जुड़े रहे, छत्तीसगढ़ में हुए विगत विधानसभा चुनाव में बीजेपी 5 सालों बाद फिर से सत्ता में लौटी है। लेकिन राज्य गठन के बाद ऐसा पहली बार ऐसा हुआ जब नई विधानसभा में राजपरिवार का कोई सदस्य नहीं रहेगा। राजपरिवार से ताल्लुक रखने वाले सारे नेता चुनाव हार गए हैं। वहीं कई ऐसे भी प्रत्याशी रहे जो विरासत में मिली राजनीति को इस चुनाव में आगे नहीं बढ़ा पाए और उन्हें हार का सामना करना पड़ा। ऐसे माहौल मे जब देश के साथ छत्तीसगढ़ में मोदी का तूफ़ानी माहौल चल रहा है उसी दरमियान रायगढ़ लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में राजपरिवार से ताल्लुख रखने वाली डॉक्टर मेनका सिंह को टिकट देकर कांग्रेस आलाकामान एक तरह से भाजपा इस इस लोकसभा चुनाव में वॉक ओवर दी दिया है ऐसा राजनैतिक विश्लेषकों के साथ ही आम जनता का मानना है।

स्थानीय प्रत्याशी होकर भी सारंगढ़ में पिछड़ते नज़र आ रही कांग्रेस ? : सारंगढ़ बिलाईगढ़ में संगठन क्षमता और योग्य प्रत्याशियों को देकर देकर जिले की दोनो

विधानसभा में जीत दर्ज करने वाली कांग्रेस को इस लोकसभा में सारंगढ़ से ही भारी मतों से पिछड़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है, विधान सभा में जिस तरह जी जान लगाकर दिन- रात काम करने वाले कार्यकर्ता कहीं नज़र नही आ रहे और जो नज़र आ भी रहे हैँ उनमे भी उत्साह और विश्वास नही दिख रहा, कार्यकर्ताओं के चेहरे में भी महल परिवार को देकर मिलने पर मायूसी साफ झलक रही है जिसका कारण हमने स्थानीय लोगों से पूछा तो कुछ बातें सामने आई ।

क्या साराँगढ़ महल के दरवाजे जनता के लिये खुले रहेंगे ? : साराँगढ़ में डॉ मेनका सिंह को टिकट मिलने पर लोकसभा चुनाव के दौरान आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है रायगढ़ लोकसभा सीट अनुसूचित जनजाति जाति वर्ग के आरक्षित है जिसमे साराँगढ़ राज महल की बेटी डॉ मेनका सिंह को कॉंग्रेस ने उम्मीदवार बनाया है दूसरी तरफ भाजपा ने सीधे सरल और सामान्य परिवार से ताल्लुख़ रखने वाले राधेश्याम राठिया को उम्मीदवार बनाया गया उस, अब देखना होगा जीत का सेहरा किसके सिर बंधेगा ? ये तो 7 जून को पता चलेगा लेकिन सारंगढ़ की जनता का मानना है की वर्तमान में जब बड़े-बड़े चेहरों को भी राजमहल के द्वार से अंदर जाने के लिए जब ज़द्दोजहद करना पड़ता है तो जीत के बाद आम जनता का क्या होगा ? लोग तो यहाँ तक कह रहे हैँ जिन राजपरिवार के लोगों को जिन्हे देखना भी मुश्किल है उनके चुनाव में जीतने के बाद उनसे मुलाकात कर पाना असंभव होगा ? प्रत्याशी होते जिनके दरवाजे जनता के लिए अभी से बंद है तो आगे विजयी होने के बाद क्या और खुला रहेगा ? इसलिए जो कांग्रेस के रीति नीति से प्रभावित होकर वोट करते थे उनके मन में भी महल परिवार से दूरी बढ़ने की संभावना है।

स्थानीय जनता का राजमहल के प्रति आक्रोश : प्राप्त जानकारी के मुताबिक साराँगढ़ में राज महल को लेकर स्थानीय लोग काफ़ी आक्रोशित हैँ, और तो और इस परिवार के खिलाफ़ सारंगढ़ में कई दफ़ा स्थानीय जनता और संगठन ने धरना व आंदोलन प्रदर्शन कर अपनी नाराज़गी जताई है, जिसका सीधा - सीधा नुकसान लोकसभा कांग्रेस प्रत्याशी को उठाना पड़ेगा। है जनता कह रही है जिन्हे देखना मुश्किल है क्या जीतने के बाद उनसे मुलाकात कर पाना संभव है ?अब जरा सोचे की जनता के दरवाजे अभी से बंद है तो आगे जीतने के बाद क्या कभी खुला रहेगा ?

जनता के नज़र में हरिहाठ मेला का विरोधी है राजपरिवार ? : धार्मिक गढ़ माने जाने वाले सारंगढ़ में विगत कुछ वर्षो से हरि-हाठ मेला को लेकर काफी विवाद चला था जिसका मुख्य कारण पब्लिक गिरी गिरी - विलास को मानते हैँ, कई बार स्थानीय जनता और संगठनों को विरोध प्रदर्शन करना पड़ा जिसके फलस्वरूप अंतत: हरिहाठ यज्ञ एवं मेला को हरी झंडी मिला भाजपा चुनाव में इसे मुद्दा बनाकर सारंगढ़ में पेश करेगी इसमे कोई दो राय नही है, जिससे कांग्रेस प्रत्याशी को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

माथे देखकर पत्रकारों को लगाया गया तिलक! पत्रकार जगत में आक्रोश : विगत दिनों महल में आयोजित पत्रकार वार्ता में पत्रकारों से बमुश्किल 10 मिनट भी समय ना देना और रानी की भाँती खड़े खड़े नाम पूछकर भाग जाना कलमकारों के प्रति कांग्रेस प्रत्याशी का असम्मान समझा जा रहा है, उनका रवैया अभी भी राज-रानी का अहसास करा गया। उपर से उनके मीडिया प्रबंधन समिति का दाइत्व है सभी कलमकारों को जिन्हे प्रेस वार्ता में बुलाया गया है उनके समान सम्मान दें, राज्य लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्यासी के मीडिया प्रबंधन ग्रुप स्वयं एवं अपने चहेतों को ही लाभ पहुंचाना आग पर घी डालने का काम कर गई है। मीडिया प्रबंधन समिति के सदस्यों का माथे देखकर तिलक लगाना इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी डॉ मेनका सिंह को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाएगा इस पर कोई दो राय नही है!

सार समाचार

घर के बाहर खड़ी एक्टिवा पार

रायपुर(समय दर्शन)। सेक्टर 3 उदिया सोसायटी आमानाका में घर के बाहर खड़ी एक्टिवा वाहन को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी आलेख भोई 25 वर्ष सेक्टर 3 उदिया सोसायटी आमानाका का रहने वाला है। बताया जाता है कि वह अपनी एक्टिवा वाहन क्रमांक सीजी 07 एएक्स 2321 को घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 15 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफअपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अवैध शराब बेचते चार गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी पुलिस ने अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर अलग-अलग थाना क्षेत्रों से 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 103 पाव देशी शराब, बिक्री रकम 670 रुपए जब्त किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार नेवरा पुलिस ने ग्राम नकटी रोड किनारे अवैध शराब के साथ आरोपी साधुराम टंडन 35 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 23 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 300 रुपए जब्त किया है। वहीं विधानसभा पुलिस ने ग्राम सेमरिया मेन रोड के पास आरोपी भेखूराम साहू 45 वर्ष व सूरज सेन 25 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन दोनों के पास से 35 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 370 रुपए जब्त किया है। वहीं धरसींवा पुलिस ने आरोपी राजेन्द्र सिसोदिया 30 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 45 पाव देशी शराब जब्त किया है।

तीन लोगों ने महिला से की मारपीट

रायपुर(समय दर्शन)। बंजारी नगर केंद्रीय विद्यालय के पास पुरानी रंजिश के चलीते तीन लोगों ने एक महिला से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थिया की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया हर्षिता मानिकपुरी 26 वर्ष बंजारी नगर की रहने वाली है। बताया जाता है कि आरोपी भागीरथी देवदास, रमेश व बिरित बाई ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थिया से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थिया की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 506, 323, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

व्यापारियों से अधिक से अधिक मतदान करने किया आग्रह

कलेक्टर ने चैम्बर ऑफकॉमर्स के पहले मतदान फिर दुकान अभियान का किया शुभारंभ

दुकानों में मिलेगा जागरूकता संदेश लिखा हुआ रसीद

रायपुर(समय दर्शन)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ गौरव सिंह ने आज चैम्बर ऑफ कॉमर्स के मतदाता जागरूकता अभियान ''पहले मतदान फिर दुकान'' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यापारियों से अधिक से अधिक मतदान में हिस्सा लेने की अपील की। उन्होंने व्यापारियों को शत प्रतिशत मतदान की शपथ भी दिलाई। कलेक्टर ने व्यापारियों को इस अभियान के लिए बधाई एवं शुभकामना दी। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि इस बार मतदान समय प्रात: 7 बजे से प्रारंभ होकर संध्या 6 बजे तक चलेगी। डॉ. सिंह ने कहा कि हमें अपने लिए, जनहित कार्यों के क्रियान्वयन के लिए मतदान करना होगा। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि दुकानों व व्यापारिक प्रतिष्ठान में हर वर्ग के लोग अपनी आवश्यकता के वस्तु खरीदने प्रति दिन आते हैं, जिससे व्यापारी वर्ग आसानी से मतदान के लिए प्रेरित कर सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग, समाज का सबसे जिम्मेदार वर्ग होता है। यदि वह ठान ले तो हर कार्य को परिणाम तक पहुंचा सकता है। हम रायपुर में मतदान कर पूरे देश में यह संदेश देगें कि छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र कितना मजबूत है और यहां के लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी हैं। कलेक्टर ने कहा कि पहले के चुनाव में यह अनुभव रहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में वोटिंग का प्रतिशत हमेशा अच्छा रहा है पर शहरी क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत अपेक्षाकृत कम रहा है। जिला प्रशासन स्वीप टीम द्वारा विशेष रूप से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिससे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बराबर आ जाए। उन स्वतंत्रा संग्राम के सेनानियों जिन्होंने अपनी जान की बाज़ी लगाकर हमे स्वतंत्र मतदान अधिकार दिलाये उनको सच्ची श्रद्धांजलि देना है तो शतप्रतिशत मतदान अवश्य करें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रायपुर ज़िला एसएसपी श्री संतोष सिंह ने कहा कि चुनाव का पर्व देश का गर्व इसको चरितार्थ करते हुए लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व को हर मतदाता गर्व से मनाएँ इसमें हर मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित हो जिसके लिये चेम्बर्स ऑफ़ कॉमर्स द्वारा किया जा रहा जागरूकता कार्यक्रम सराहनीय पहल है।

भाजपा का संकल्प पत्र से भाजपा की हताशा दिख रही - दीपक बैज

भाजपा अब की बार 150 सीटों तक भी नहीं पहुंच पाएगी

रायपुर(समय दर्शन)। भाजपा को भी पता चल चुका है कि केन्द्र में उसकी सरकार नहीं बनने वाली है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र से ही भाजपा की निराशा और हताशा झलक रही है। भाजपा अब की बार 150 सीटों तक भी नहीं पहुंच पायेगी। भाजपा में साहस नहीं है कि वह 2014 और 2019 के समान जनता से वायदा कर सके। इसीलिये भाजपा अपने संकल्प पत्र में कोई वादा करते हुये नहीं दिखी है। वैसे भी भाजपा किस नैतिकता से वादा करेगी। 2014, 2019 के वादों को तो भाजपा ने 10 सालों में पूरा नहीं किया है। ना हर साल 2 करोड़ रोजगार मिले, ना किसी के खाते में 15-15 लाख आये, ना 2022 का किसानों की आय दुगनी हुई, और ना ही स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार किसानों को उनकी लागत का डेढ़ गुना समर्थन मूल्य मिला, ना 100 दिन में महंगाई कम हुई, ना बुलेट ट्रेन चली, ना 100 स्मार्ट सिटी बन पाई, ना ही 2022 तक भारत 5 ट्रिलियन इकोनामी बन पाया, ना ही काले धन को लाने के लिए कोई टास्क फोर्स बन पायी, हा पर देश पर ऋण 55 लाख करोड़ से 4 गुना बढ़कर 205 लाख करोड़ जरूर हो गया. नॉर्थ ईस्ट में कानून व्यवस्था को मजबूत करने की बात भाजपा के घोषणापत्र में कही गई थी और आज मणिपुर जल रहा और प्रधानमंत्री जी इस बारे में एक शब्द नहीं कहना चाहते। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि एक ओर जहां कांग्रेस का घोषणा पत्र महिलाओं, युवाओं, कृषकों, मजदूरों, वंचित वर्गो को राहत देता है। वहीं भाजपा का घोषणा पत्र इस सब पर मौन है। युवाओं से वादा है कांग्रेस के घोषणा पत्र में 30 लाख भर्ती होगी और भाजपा के घोषणा पत्र में कोई जिक्र नहीं। किसानों के एमएसपी में कांग्रेस के घोषणा पत्र में कानूनी गारंटी दिया जायेगा और भाजपा के घोषणा पत्र में कोई जिक्र नहीं।

निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने एनएचएआई तथा बिल्डरों को साथ लेकर छेरीखेड़ी तक मार्ग को सुंदर बनाने योजना बनाई

स्वागत द्वार बनाने और मार्ग में हरियाली लाने की बनाई गई रूपरेखा

रायपुर(समय दर्शन)। कलेक्टर गौरव कुमार सिंह के निर्देशानुसार रायपुर नगर निगम के कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने शहर के सभी 7 प्रवेश द्वारों को सुंदर बनाने की योजना अनुसार आज सुबह तेलीबांधा चैक से लेकर छेरीखेड़ी मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मार्ग में जगह - जगह खड़े होकर उन जगहों पर क्या किया जा सकता है के लिए योजना बनाई। निगम कमिश्नर श्री मिश्रा के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग अथार्टी के प्रवीण कुमार, अपर आयुक्त विनोद पांडे, अधीक्षण अभियंता राजेश शर्मा, जोन क्रमांक 9 के जोन कमिश्नर सन्तोष पांडे, जोन क्रमांक 6 के जोन कमिश्नर रमेश जायसवाल, निगम के अन्य अधिकारियों के साथ बिल्डर आनन्द सिंघानिया तथा अन्य बिल्डर भी मौजूद थे। राष्ट्रीय राजमार्ग पर निगम द्वारा कोई विकास कार्य करने पर राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग द्वारा रोक टोक लगाई जाती है या फिर कार्य करने ही नहीं दिया जाता है। इसी वजह से कार्य को मिलजुल कर करने हेतु राजमार्ग विभाग के साथ संयुक्त रूप से योजना बनाकर कार्य करने की योजना बनाई गई। इस मार्ग में एक जगह स्वागत द्वार बनाने पर भी विचार किया। जिससे रायपुर आने वाले नागरिकों को महसूस हो कि वे रायपुर शहर के भीतर प्रवेश कर चुके हैं। साथ ही रायपुर शहर की सीमा से निकलने का भी द्वार वहीं पर सड़क की दूसरी ओर बनाया जाएगा। सड़क के दोनों किनारे लैंड स्केपिंग करने तथा पेड़ लगाने पर भी चर्चा की गई। सड़क के किनारे कई जगह ऐसी जगह भी हैं जिनकी दूरी 200 से 300 मीटर हैं, वहां पेड़ पौधे लगाकर सौंदर्यीकरण किया जा सकता हैं। ऐसी जगहों का सर्वे करने के लिए कहा गया है। राजमार्ग विभाग के श्री कुमार ने कहा कि इस सब कार्यों की ब्लू प्रिंट तैयार कर कार्य प्रारंभ किया जा सकता है। बिल्डरों ने भी अपने सुझाव रखे। निगम कमिश्नर श्री मिश्रा ने पूरे मार्ग पर जल्द से जल्द कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

लग्जरी कार में घूमने वाले भाजपा नेता आज फिर चाय कि चुनावी केटली पकड़कर गरीब होने का ढोंग कर रहें-कांग्रेस

जनता को पता चल गया है भाजपा नेताओं की चाय बहुत महंगी हैं

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार कि 10 साल की नाकामी ने एक बार और लग्जरी कार में घूमने वाले भाजपा नेताओ को चाय की चुनावी केटली पकड़ने मजबूर कर दिया। भाजपा नेताओं के इस बहरूपिया चरित्र को देश की जनता समझ गई है। जनता 2014 में भाजपा नेताओं के साथ चाय पीने का कर्ज अब तक चूका रही हैं. उसके एवज में हर आवश्यक वस्तु में जीएसटी दे रही हैं। पेट्रोल डीजल रसोई गैस के महंगे दामों से प्रताड़ित है। खाद्य सामग्री, स्टेशनरी, दवाईयां की दो गुना तीन गुना क़ीमत दे रही हैं. देश बढ़ती महंगाई बेरोजगारी और 205 लाख करोड़ के कर्ज से जख्मी हो गया हैं. और इस जख्म की दवा अब भाजपा सरकार के पास नहीं है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि जो भाजपा नेता आज चाय की चुनावी केटली पकडे नजर आ रहे हैं. इन्होंने ही सत्ता परिवर्तन के बाद प्रदेश में ठेला खोमचा, रेहड़ी वाला, सड़क किनारे पसरा लगाने वालों पर बुलडोजर चलवाया था. रोजी-रोटी छीनकर उनके परिवार को तंगहाली में ढकेला था। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि जनता आज चाय पर नहीं काम पर चर्चा करना चाहती है बीते 10 साल में मोदी सरकार ने जनता से कितने वादे को पूरा किया. लेकिन भाजपा नेताओं के पास इसका कोई जवाब नहीं है 10 साल से जनता सिर्फ जुमला सुन रही है मन की बात सुन रही है, लेकिन काम की बात आज तक कभी भाजपा नेताओं के मुंह से निकला नहीं है. जनता अब अपनी मन की बात भाजपा नेताओं को बताएगी. केंद्र में बदलाव होगा. मोदी सरकार की विदाई तय है।

एमडी ने ली रायपुर स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की समीक्षा बैठक

रायपुर(समय दर्शन)। नगर निगम कमिश्नर एवं स्मार्ट सिटी के प्रबंध संचालक अबिनाश मिश्रा ने आज स्मार्ट सिटी मिशन के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा हेतु अधिकारियों व कार्य एजेंसियों की बैठक ली। बैठक में श्री मिश्रा ने अधिकारियों से कहा है कि नियमित मॉनिटरिंग कर जून से पहले सभी प्रोजेक्ट पूरे करे । श्री मिश्रा ने अंडरग्राउंड केबलिंग ,24ङ्ग7 परियोजना,शास्त्री बाजार,मटन मार्केट,महाराजबंध, नरैया व खो-खो तालाब में निर्माणाधीन एसटीपी,शहर में समुचित स्ट्रीट लाइट सहित अन्य प्रोजेक्ट की जानकारी लेकर समय सीमा पर निर्माण पूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा है कि तय समय सीमा में सभी कार्यों को पूरा करने के दौरान गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें और आम नागरिकों के लिए मूलभूत सुविधाओं का पूरा लाभ सुनिश्चित करें । इस दौरान स्मार्ट सिटी के मुख्य परिचालन अधिकारी उज्जवल पोरवाल,महाप्रबंधक (ई. एंड टी.)श्री पी.के.पंचायती,उप-महाप्रबंधक (वित्त) अमित शर्मा,उप-प्रबंधक संजय अग्रवाल, अमित मिश्रा, असिस्टेंट मैनेजर शुभम तिवारी,श्रीमती नेहा पटेल, योगेंद्र साहू सहित निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अभिनेत्री और मंडी से भाजपा उम्मीदवार कंगना रनौत ने धर्मशाला के मैक्लोडगंज स्थित तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा से उनके आवास पर मुलाकात की।

उड़िया नव वर्ष उत्सव में शामिल हुए राज्यपाल हरिचंदन

रायपुर(समय दर्शन)। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन अपने ओडिशा प्रवास के दौरान उड़िया नव वर्ष उत्सव में शामिल हुए। राज्यपाल हरिचंदन ने नमामि दुनाकिनी अनुकुल्या में आयोजित नववर्ष उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में ओड़िशा के इतिहास, परंपरा, गौरव, संस्कृति और वीरता का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हर उड़िया वासी के रगों में वीरता का खून दौड़ता है। उनका शौर्य और पराक्रम अद्वितीय है। ओड़िशा में हुए पाईका विद्रोह का जिक्र करते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस विद्रोह को स्वतंत्रता संग्राम के रूप में मान्यता दी गई। यह हमारे लिए गौरव की बात है। ओड़िशा राज्य के गौरव गाथा की पूरे भारत वर्ष में चर्चा और प्रशंसा की जाती है। उन्होंने ओड़िशा वासियों को भाषा, साहित्य और संस्कृति की रक्षा के लिए नेतृत्व करने और राष्ट्र की भलाई के लिए कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने ओड़िशा के जननायकों बक्सी जगबंधु, मधुसूदन दास, गोपबंधु दास, फकीर आदि का भी स्मरण किया। समारोह में राज्यपाल हरिचंदन ने ओडिशा के प्रमुख व्यक्तियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर नमामि दुनाकिनी के सलाहकार और महोत्सव के अध्यक्ष प्रद्युम्न शेटपति सहित नागरिक उपस्थित थे।

कांग्रेस का घोषणा पत्र स्वास्थ्य की दिशा में बेहतर: कांग्रेस

भाजपा का घोषणा पत्र ठगने वाला : डॉ. राकेश गुप्ता

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के विगत 10 वर्षों में देश में स्वास्थ्य सेवा बदहाल हुई है। सीएजी के रिपोर्ट में प्रमाणित हुआ है कि आयुष्मान योजना के नाम पर हजारों करोड़ के घपले, घोटाले किये गये। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए दोनों प्रमुख राष्ट्रीय पार्टियों का घोषणा पत्र जारी हो चुका है। स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषय पर जहां कांग्रेस पार्टी ने 19 महत्वपूर्ण वादे किये है, वहीं भारतीय जनता पार्टी अपने तथाकथित संकल्प पत्र में भी आम जनता को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने की दिशा में कोई ठोस वादा करने में नाकाम रही। उन्होंने कहा कि भाजपा के घोषणा पत्र में स्वास्थ्य सेवा के संबंध में केवल पुराने वादे ही है, जो पूर्व में भी पूरे नहीं हुये। एम्स में डॉक्टर, नर्स, तकनीशियनों के लगभग 45 प्रतिशत से अधिक पद रिक्त हैं, मोदी सरकार ने भर्तियां रोक रखी है जिसका नुकसान मरीजों को उठाना पड़ रहा है। आयुष्मान योजना नई नहीं है। आजादी के बाद से ही कांग्रेस की सरकारों ने तमाम तरह के टीके नि:शुल्क लगवाने की व्यवस्था की। मोदी सरकार ने तो वैक्सीन निर्माता कंपनी से चुनावी बांड वसूले, मोदी सरकार में दवाओं की गुणवत्ता को लेकर भी लगातार सवाल उठते रहे है। मोदी सरकार ने स्वास्थ्य के बजट में भी लगातार कटौती की है। भाजपा के चुनावी घोषणा पत्र में भी स्वास्थ्य सेवा की उपेक्षा स्पष्ट तौर पर दिख रही है। डॉ. राकेश गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस ने अपने न्याय पत्र में देश की जनता से स्वास्थ्य सेवा बेहतरी के लिए 19 बिंदुओं का वादा किया है। कांग्रेस वादा करती है कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं, जैसे अस्पताल, क्लिनिक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मोबाइल स्वास्थ्य इकाई, औषधालय और स्वास्थ्य शिविर में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल हर नागरिक के लिए नि:शुल्क उपलब्ध होगी। नि:शुल्क स्वास्थ्य देखभाल में परामर्श, जांच, उपचार, सर्जरी, दवाएं और पुनर्सुधार शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने प्रदेश में स्वास्थ्य का इंफ्रास्ट्रचर लगभग ढाई गुना बेहतर किया, 4000 से अधिक पदों पर स्वास्थ्य विभाग में नियमित पदों पर भर्तियां की। हमर अस्पताल, मोहल्ला क्लिनिक, हाट बाजार क्लिनिक और स्लम चिकित्सा योजना के तहत नि:शुल्क जांच, इलाज और दवा की व्यवस्था करवायी।

भाजपा का चुनावी घोषणा पत्र केवल छलावा : चरणदास महंत

रायपुर(समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी केचुनावी संकल्प पत्र महज छलावा से ज्यादा कुछ नहीं है। उक्त बातें को छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कही। डा. महंत ने कहा कि इसमें महंगाई से त्रस्त जनता और भीषण बेरोजगारी की मार झेल रहे युवाओं को राहत देने के लिए न तो कोई बात की गई है और न ही कोई उपाय इनके पास है। यह घोषणा पत्र निराशाजनक है जिसमें बीजेपी ने सिर्फ और सिर्फ अपने फायदे के लिए जनता को संकल्प के नाम पर छलावा दिखाकर बरगलाने का काम किया है। किसानों के लिए आज तक एमएसपी लागू नहीं कर पाए। भाजपा की कथनी और करनी में बहुत अंतर है जिसे पिछले 10 साल से जनता देख रही है। 10 साल में केन्द्र की बीजेपी सरकार कुछ खास नहीं कर पाई और अब 2047 के सपने दिखाकर देश का संविधान व लोकतंत्र को मनमाने ढंग से तोड़-मरोड़ कर पेश करने की कोशिश में लगे हैं। देश की जनता अब इनके बहकावे में नहीं आने वाली।

संपादकीय

हाईकोर्ट के बेबाक फैसले से सबसे मुश्किल विपक्ष

अरविंद केजरीवाल मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के बेबाक फैसले ने कई भ्रमों को दूर कर दिया है। यही कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करना गलत है। इसलिए कि वह झूठे तथ्यों और डराए गए गवाहों से बलात लिए बयानों पर आम आदमी पार्टी (आप) की दिल्ली सरकार को जमींदोज के इरादे से रची गई साजिश के तहत है। यह आम चुनाव में भागीदारी के समान अवसर के अधिकार से वंचित करना है। इनके पीछे केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार है, जिसके इशारे पर ईडी काम कर रहा है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने 25 मिनट तक पढ़े गए अपने फैसले में केजरीवाल की याचिका के सभी मुद्दों को बिंदुवार स्पष्ट किया है। फैसले के मुताबिक उनकी गिरफ्तारी नियमत- और साक्ष्य-आधारित है। रिमांड जायज है। ईडी के आठ-आठ समनों के बाद भी पूछताछ में न आना और पर्याप्त सबूत भी हों तो गिरफ्तारी लाजिमी है। इसमें हैसियत के हिसाब से फेरबदल नहीं किया जा सकता। दिल्ली के मुख्यमंत्री कीआबकारी नीति से जुड़े धनशोधन के करोड़ों रुपये के मामले में प्रमाणित संलिप्तता रही है। वे इससे व्यक्तिगत रूप से और बतौर आप संयोजक जुड़े रहे हैं। इसकी पुष्टि ईडी के समक्ष नहीं, बल्कि अदालत में धारा 164 के तहत गवाहों के बयानात से भी होती है। हालांकि आप नेता इन्हें ईडी का गढ़ा मान रहे हैं। उनका यह रवैया जनता को तथ्यों से गुमराह करने वाला है, चुनावी मौसम में वह चाहे जितना सही हो। यह अदालत की मान्यता के भी विरु द्ध है। हालांकि उच्च न्यायालय ने इन गवाहों से आगे मुकदमे की सुनवाई के दौरान केजरीवाल के बहस के हक को नकारा नहीं है। न्यायालय का यह स्पष्टीकरण महत्त्वपूर्ण है कि यह मामला केंद्र नहीं बल्कि ईडी बनाम अरविंद केजरीवाल का है। यह कोई राजनीतिक नहीं, सीधे-सीधे भ्रष्टाचार का मामला है। इसके आरोपित को जांच के तरीके तय करने या इसमें कोई सुविधा मांगने का हक नहीं है। उसे एक आम नागरिक की तरह ही लड़ाई लड़नी होगी। इस फैसले ने मुख्यमंत्री को पैदल कर दिया है। उन्हें सहानुभूति पाने के लिए नया तर्क गढ़ना होगा। केजरीवाल की सबसे बड़ी चुनौती न्यायालय के इस आकलन को गलत ठहराने की होगी, जो ईडी से सहमत है कि आप एक पार्टी नहीं, बल्कि कंपनी की तरह है और वे खुद निदेशक की तरह काम करते हैं। उनके लिए फैसले का यह सबसे मुश्किल विपक्ष है। केजरीवाल अब सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष हैं, जहां इन टिप्पणियों पर भी गौर किया जाएगा।

अब हेपेटाइटिस का संक्रमण

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रपट में भारत में हेपेटाइटिस की चुनौतियों और खतरों का उल्लेख है। लिवर से जुड़ी यह बीमारी घातक भी साबित हो सकती है और बाद में कैंसर का रूप भी धारण कर सकती है। हेपेटाइटिस बी और सी को लेकर भारत में जागृति बहुत कम है, क्योंकि इनके लक्षण ही पेचीदा हैं। चूंकि यह भी वायरल संक्रमण की बीमारी है, लिहाजा डॉक्टर भी लक्षणों का अध्ययन करते समय गलत निष्कर्ष पर पहुंच जाते हैं। भारत में हेपेटाइटिस बी के करीब 3 करोड़ संक्रमित मरीज हैं, जबकि हेपेटाइटिस सी के 50 लाख से अधिक लोग बीमार हैं। लिवर की सूजन और संक्रमण के साथ इन बीमारियों का बोझ उठाने वाला भारत विश्व में ऐसा दूसरा देश है। वह दिन दूर नहीं, जब विश्व में सर्वाधिक हेपेटाइटिस संक्रमण भारत में होगा। भारत में ही 2022 में हेपेटाइटिस ने एक लाख से अधिक जिंदगियां छीन ली थीं। चिंताजनक पक्ष यह है कि बहुत कम संक्रमित लोगों के लक्षण स्पष्ट हो पाते हैं, लिहाजा वे निदान और इलाज के दायरे में नहीं आ पाते। हेपेटाइटिस सी के 30 फीसदी से कम मामलों की पहचान हो पाती है, लिहाजा लिवर का यह संक्रमण ज्यादा घातक, यहां तक कि जानलेवा, साबित हो सकता है। हेपेटाइटिस बी के आंकड़े मात्र 3 फीसदी ही बताए जाते हैं। नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम का लक्ष्य 2030 तक भारत को हेपेटाइटिस सी से मुक्त कराना है। हेपेटाइटिस बी से जुड़ी रुग्णता, मृत्यु-संख्या और मृत्यु-दर को भी 2030 तक ही काफी कम करना है। इसे लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार काफी आशान्वित हैं कि यदि 2024 और 2026 के बीच स्थितियों में सुधार लाया जाए, तो हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम पटरी पर लाया जा सकता है। नतीजतन लक्ष्य भी कमोबेश हासिल किए जा सकते हैं। कई बीमारियां प्रदूषित रक्त के जरिए फैलती हैं। हेपेटाइटिस की दोनों किस्में भी दूषित रक्त के जरिए विस्तार पाती हैं। हेपेटाइटिस बी लिवर के ऊतकों पर चोट करता है और कैंसर के जोखिम को बढ़ाता है। लक्षण और निदान पेचीदा हैं, लिहाजा वायरस कई सालों तक छिपा रह सकता है। वे दूसरों को प्रभावित करते हैं। लक्षण तब सामने आने लगते हैं, जब रोगाणु ज्यादा आक्रामक रुख अख्तियार कर लेते हैं। हालांकि हेपेटाइटिस की किस्मों का कोई इलाज नहीं है, लेकिन जो इलाज किया जाता है, उससे कुछ हद तक लक्षणों का बंदोबस्त किया जा सकता है। यानी इलाज से बीमारी कुछ सीमा तक काबू में की जा सकती है। हालांकि 2018 में नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम की शुरुआत की गई थी, जिसके तहत टेस्टिंग और दवाएं निःशुल्क हैं, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन की यह रपट भी है कि प्रोग्राम ज्यादातर मरीजों के पास पहुंचा ही नहीं है। बीते 20 सालों में खून की जांच के प्रोटोकॉल बहुत सख्त किए गए हैं, लिहाजा रक्त के संक्रमण का जोखिम कम हुआ है। भारत में हेपेटाइटिस बी संक्रमण मामलों का अभी तक जो विश्लेषण किए गए हैं, उनमें संक्रमण मां से शिशु की ओर गया है। टीकाकरण से भी इस बीमारी और संक्रमण के विस्तार को रोका जा सकता है। भारत में टीकाकरण भी काफी अनियमित है और शिशु के जन्म लेने के तुरंत बाद जो टीकाकरण किया जाना चाहिए, उसके प्रति अशिक्षित और अज्ञानी जमात गंभीर नहीं है, लिहाजा शिशु की इम्युनिटी प्रभावित होती है। भारत में 50 फीसदी से कम शिशुओं को सभी आवश्यक टीके समयानुसार दिए जाते हैं। बहरहाल हेपेटाइटिस सी का इलाज अपेक्षाकृत आसान और संभव है। एंटी-वायरल बीमारी का इलाज कर सकते हैं और दीर्घकाल में लिवर को क्षतिग्रस्त होने से बचाया जा सकता है।

श्रीराम हैं सुशासन एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रेरक

श्रीरामनवमी-17 अप्रैल 2024 पर विशेष

ललित गर्ग

हिन्दु धर्म शास्त्रों के अनुसार त्रेतायुग में रावण के अत्याचारों को समाप्त करने तथा धर्म की पुनःस्र्थापना के लिये भगवान विष्णु ने मृत्यु लोक में श्रीराम के रूप में अवतार लिया था। श्रीरामचन्द्रजी का जन्म चैत्र शुक्ल की नवमी के दिन पुनर्वसु नक्षत्र तथा कर्क लग्न में रानी कौशल्या की कोख से, राजा दशरथ के घर में हुआ था। रामनवमी का त्यौहार इस वर्ष 10 अप्रैल 2022 को मनाया जायेगा। इस पर्व के साथ ही माँ दुर्गा के नवरात्रों का समापन भी होता है। हिन्दू धर्म में रामनवमी के दिन पूजा अर्चना की जाती है। रामनवमी का सनातन धर्म में विशेष धार्मिक और पारंपरिक महत्व है जो हिंदू धर्म के लोगों के द्वारा पूरी भक्ति, आस्था एवं उत्साह के साथ मनाया जाता है। भगवान विष्णु के अवतार श्रीराम का धरती पर अवतार लेने का एकमात्र उद्देश्य अधर्म का नाश कर धर्म की पुनः स्थापना करना था जिससे सामान्य मानव शांति, प्रेम एवं सुख के साथ अपना जीवन व्यतीत कर सके, साथ ही भगवान की भक्ति कर सके। उन्हें किसी प्रकार का दुःख या कष्ट न सहना पड़ें।

भगवान श्रीराम अविनाशी परमात्मा हैं जो सबके सृजनहार व पालनहार हैं। दरअसल श्रीराम के लोकनायक चरित्र ने जाति, धर्म और संप्रदाय की संकीर्ण सीमाओं को लांघ कर जन-जन को अनुप्राणित किया। भारत में ही नहीं, दुनिया में श्रीराम अत्यंत पूज्यनीय हैं और आदर्श पुरुष हैं। थाईलैंड, इंडोनेशिया आदि कई देशों में भी श्रीराम आदर्श के रूप में पूजे जाते हैं। श्रीराम केवल भारतवासियों या केवल हिन्दुओं के मर्यादा पुरुषोत्तम नहीं हैं, बल्कि बहुत से देशों, जातियों के भी मर्यादा पुरुष हैं जो भारतीय नहीं। रामायण में जो मानवीय मूल्य दृष्टि सामने आई, वह देशकाल की सीमाओं से ऊपर उठ गई। वह उन तत्वों को प्रतिष्ठित करती है, जिन्हें वह केवल पढ़े-लिखे लोगों की चीज न रहकर लोक मानस का अंग बन गई। इंडोनेशिया जैसे मुस्लिम राष्ट्र में नागरिक रामलीला का मंचन करते हैं तो क्या वे अपने धर्म से भ्रष्ट हो जाते हैं? इस मुस्लिम देश में रामलीलाओं का मंचन भारत से कहीं बेहतर और शास्त्रीय कलात्मकता, उच्च धार्मिक आस्था के साथ किया जाता है। ऐसा इसलिये संभव हुआ है कि श्रीराम मानवीय आत्मा की विजय के प्रतीक महापुरुष हैं, जिन्होंने धर्म एवं सत्य की स्थापना करने के लिये अधर्म एवं अत्याचार को ललकारा। इस तरह वे अंधेरों में उजालों, असत्य पर सत्य, बुराई पर

अच्छाई के प्रतीक बने।

सचमुच श्रीराम न केवल भारत के लिये बल्कि दुनिया के प्रेरक है, पालनहार है। भारत के जन-जन के लिये वे एक संबल हैं, एक समाधान हैं, एक आश्वासन हैं निष्कंटक जीवन का, अंधेरों में उजालों का। भारत की संस्कृति एवं विशाल आबादी के साथ दर्जनभर देशों के लोगों में यह नाम चेतन-अचेतन अवस्था में समाया हुआ है। यह भारत जिसे आर्यावर्त भी कहा गया है, उसके ज्ञात इतिहास के श्रीराम प्रथम पुरुष एवं राष्ट्रपुरुष हैं, जिन्होंने सम्पूर्ण राष्ट्र को उत्तर से दक्षिण, पश्चिम से पूर्व तक जोड़ा था। दीन-दुखियों और सदाचारियों की दुराचारियों एवं राक्षसों से रक्षा की थी। सबल आपराधिक एवं अन्यायी ताकतों का दमन किया। सर्वोच्च लोकनायक के रूप में उन्होंने जन-जन की आवाज को सुना और राजतंत्र एवं लोकतंत्र में जन-गण की आवाज को सर्वोच्चता प्रदान की। श्रीराम ने ऋषि-मुनियों के स्वाभिमान एवं आध्यात्मिक स्वाधीनता की रक्षा कर उनके जीवन, साधनाक्रम एवं भविष्य को स्वावलम्बन एवं आत्म-सम्मान के प्रकाश से आलोकित किया। इस मायने में श्रीराम राष्ट्र की एकता के सूत्रधार एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रेरक है, इसीलिये श्रीराम मन्दिर लोकतंत्र का भी पवित्र तीर्थ होगा।

कबीरजी आदि भक्त कवियों ने श्रीराम गुणगान करते हुए कहा है कि आदि श्रीराम वह अविनाशी परमात्मा है जो सब का सृजनहार व पालनहार है। जिसके एक इशारे पर धरती और आकाश काम करते हैं जिसकी स्तुति में तैंतीस कोटि देवी-देवता नतमस्तक रहते हैं। जो पूर्ण मोक्षदायक व स्वयंभू है।

'एक राम दशरथ का बेटा, एक राम घट घट में बैठा,

एक राम का सकल उजियारा, एक राम जगत से न्यारा'।।

श्रीराम ने मर्यादा के पालन के लिए राज्य, मित्र, माता-पिता, यहां तक कि पत्नी का भी साथ छोड़ा। इनका परिवार, आदर्श भारतीय परिवार का प्रतिनिधित्व करता है। श्रीराम रघुकुल में जन्मे थे, जिसकी परम्परा प्रान जाहुं बरु बचनु न जाई की थी। श्रीराम हमारी अनंत मर्यादाओं के प्रतीक पुरुष हैं इसलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम के नाम से पुकारा जाता है। हमारी संस्कृति में ऐसा कोई दूसरा चरित्र नहीं है जो श्रीराम के समान मर्यादित, धीर-वीर, न्यायप्रिय और प्रशांत हो। वाल्मीकि के श्रीराम लौकिक जीवन की मर्यादाओं का निर्वाह करने वाले वीर पुरुष हैं। उन्होंने लंका के अत्याचारी राजा रावण का वध किया और लोक धर्म की पुनःस्थापना की। लेकिन वे नील गगन में दैदीप्यमान सूर्य के समान दाहक शक्ति से संपन्न, महासमुद्र की तरह गंभीर तथा पृथ्वी की तरह क्षमाशील भी हैं। वे दुराचारियों, यज्ञ विध्वंसक राक्षसों, अत्याचारियों का नाश कर लौकिक मर्यादाओं की स्थापना करके आदर्श समाज की संरचना के लिए ही जन्म लेते हैं। आज ऐसे ही स्वस्थ समाज निर्माण की जरूरत है।

श्रीराम हमारे कण-कण में समाये हैं, हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग हैं। सुबह बिस्तर से उठते ही राम। बाहर निकलते ही राम-राम, दिन भर राम नाम की अटूट श्रृंखला। फिर शाम को राम का नाम और जीवन की अंतिम यात्रा भी 'राम नाम सत्य है' के साथ। आखिर इसका रहस्य क्या है? घर में राम, मंदिर में राम, सुख में राम, दुख में राम। शायद यही देख कर अल्लामा इकबाल को लिखना पड़ा- 'है राम के वजूद पर हिन्दोस्तां को नाज, अहले वतन समझते हैं, उनको इमामे हिंद।' श्रीराम का जो विराट व्यक्तित्व भारतीय जनमानस पर अंकित है, उतने विराट व्यक्तित्व का नायक अब तक के इतिहास में कोई दूसरा नहीं हुआ। श्रीराम के जैसा दूसरा कोई पुत्र नहीं। उनके जैसा सम्पूर्ण आदर्श वाला पति, राजा, स्वामी कोई भी दूसरा नाम नहीं। श्रीराम किसी धर्म का हिस्सा नहीं, बल्कि मानवीय चरित्र का प्रेरणादायी प्रतीक है। श्रीराम सुख-दुख, पाप-पुण्य, धर्म-अधर्म, शुभ-अशुभ, कर्तव्य-अकर्तव्य, ज्ञान-विज्ञान, योग-भोग, स्थूल-सूक्ष्म, जड़-चेतन, माया-ब्रह्म, लौकिक-पारलौकिक आदि का सर्वत्र समन्वय करते हुए दिखाई देते हैं। इसलिए वे मर्यादा पुरुषोत्तम तो हैं ही, लोकनायक एवं मानव चेतना के आदि पुरुष भी हैं। भारत के विभिन्न धार्मिक संप्रदायों और मत-मतांतरों के प्रवर्त्तक संतों ने श्रीराम की अलग-अलग कल्पना की है। इनमें हर एक के श्रीराम अलग-अलग हैं, लेकिन सभी के श्रीराम मर्यादा के प्रतिमूर्ति एवं आदर्श शासन-व्यवस्था की ऊंच रोशनी की मीनार है।

श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन विलक्षणताओं एवं विशेषताओं से ओतप्रोत है, प्रेरणादायी है। उन्हें अपने जीवन की खुशियों से बढ़कर लोक जीवन की चिंता थी, तभी उन्होंने अनेक तरह के त्याग के उदाहरण प्रस्तुत किये। राजा के इन्हीं आदर्शों के कारण ही भारत में रामराज्य की आज तक कल्पना की जाती रही है। श्रीराम के बिना भारतीय समाज की कल्पना संभव नहीं है। अब श्रीराम मन्दिर के रूप में एक शक्ति एवं सिद्धि स्थल बन रहा है, जो रामराज्य के सुदीर्घ काल के सपने को आकार देने का सशक्त एवं सकारात्मक वातावरण भी बनेगा। श्रीराम मंदिर जीवनमूल्यों की महक एवं प्रयोगशाला के रूप में उभरेगा। क्योंकि श्रीराम का चरित्र ही ऐसा है जिससे न केवल भारत बल्कि दुनिया में शांति, अहिंसा, अयुद्ध, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं अमन का साम्राज्य स्थापित होगा। यूक्रेन एवं रूस के बीच चल रहा युद्ध एवं इस परिप्रेक्ष्य में विश्वयुद्ध की संभावनाओं को देखते हुए श्रीराम के जीवन आदर्शों को विश्व व्यापी बनाने की अपेक्षा है, ताकि दुनिया शांति एवं चैन से जी सके।

रामनवमी एवं आर्यसमाज-स्थापना-दिवस सनातन वैदिक धर्मियों के दो महनीय पर्व

मनमोहन कुमार आर्य

आज दिनांक 10 अप्रैल, 2022 को दो महनीय पर्व रामनवमी एवं आर्यसमाज स्थापना दिवस हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम वैदिक धर्म एवं संस्कृति के आदर्श महान् पुरुष, रक्षक एवं प्रहरी हैं। उनका जीवन सभी मनुष्यों व संसार के लिए प्रेरक एवं अनुकरणीय है। वाल्मीकि रामायण के अनुरूप उनका जीवन सब मनुष्यों के अध्ययन करने एवं धारण करने योग्य है। रामचन्द्र जी ने अपने जीवन में वैदिक धर्म एवं संस्कृति को आत्मसात् कर उसका आचरण करते हुए उसे व्यवहारिक रूप दिया था। वैदिक धर्म एवं संस्कृति के सभी सिद्धान्तों को उन्होंने अपने कर्तव्यों एवं आचरणों में प्रशंसनीय रूप से स्थान दिया था। जब हम संसार के महापुरुषों का अध्ययन करते हैं तो हमें इतिहास में मर्यादा पुरुषोत्तम राम, योगेश्वर श्री कृष्ण, ऋषि दयानन्द एवं इतर सभी ऋषि मुनियों के ज्ञान एवं तप से युक्त जीवनों के समान जीवन दृष्टिगोचर नहीं होते हैं। अतः हमें संसार के सभी सत्पुरुषों को आदर व सम्मान करते हुए ज्ञान एवं गुणों के भण्डार अपने महान् पुरुषों श्री राम एवं श्री कृष्ण जी सहित ऋषि दयानन्द जी को भी उचित सम्मान, आदर देना चाहिये व उनमें निहित वेद प्रेरित गुणों को धारण करना चाहिये।

ऋषि दयानन्द जी ने आर्यसमाज की स्थापना अपने समय में तेजी से विलुप्त हो रही सनातन वैदिक धर्म एवं संस्कृति की रक्षा के लिए की थी। वह इस कार्य में सफल भी हुए। उन्होंने सनातन धर्म एवं संस्कृति के मूल ग्रन्थ ईश्वरीय ज्ञान वेद की चार संहिताओं को खोज निकाला था। न केवल खोज निकाला था अपितु वेदों के सर्वसुलभ सरल वेदभाष्य का लेखन व प्रकाशन भी किया था। उन्होंने और उनके अनुगामी विद्वानों ने वेद के सत्य अर्थों अर्थात् वेदार्थों से जगत् को परिचित कराया है। उन्हीं की कृपा से आज हमें सत्य वेदार्थ प्राप्त हैं जिसका हम अध्ययन करने के साथ उसे अपने जीवनों में धारण किये हुए हैं व करने का प्रयत्न करते हैं। महर्षि दयानन्द और उनके द्वारा स्थापित आर्य समाज का महत्वपूर्ण योगदान यही है कि ऋषि दयानन्द ने विलुप्त वेदों को खोज कर प्राप्त किया और मनुष्य जगत का कल्याण करने वाले उनके सत्य अर्थों को जगत् को प्राप्त कराया। वेदज्ञान से ही मनुष्य की सर्वांगीण उन्नति होती है। उसके लोक व परलोक दोनों सुधरते हैं। मनुष्य के जीवन सहित समाज, देश तथा विश्व में शान्ति स्थापित होती व हो सकती है। यदि वेद न होते तो हमें लोक परलोक तथा अपनी आत्मा के अनादित्व तथा नित्यत्व का ज्ञान कदापि न होता। हमें यह ज्ञात न होता कि हम अनादि, नित्य, अजर, अमर

व अविनाशी हैं। न केवल इस सृष्टि व कल्प में अपितु इससे पूर्व की अनन्त सृष्टियों व कल्पों में भी हमारे मनुष्य आदि अनेकानेक योनियों में जन्म हुए हैं और भविष्य में भी होंगे जिनका आधार हमारे जीवन के कर्म होंगे। सब सत्य विद्याओं सहित ईश्वर-जीव-प्रकृति का व्यापक ज्ञान प्रदान करने से वेद विश्व की सर्वोपरि महान् धर्म एवं संस्कृति सिद्ध होते हैं। वेद व वैदिक साहित्य सहित ऋषि दयानन्द के सत्यार्थप्रकाश आदि ग्रन्थों का अध्ययन कर संसार से अविद्या दूर हो सकती है और विश्व में सुख व शान्ति स्थापित हो सकती है। वेद एवं इसकी सत्य मान्यताओं का प्रचार करना सभी मनुष्यों का कर्तव्य है। जो मनुष्य ऐसा करेंगे उनका जन्म व परलोक दोनों सुधरेंगे वा उन्नत होंगे। हमारी आत्मा का मृत्यु के बाद पुनर्जन्म होना सुनिश्चित है। यह जन्म हमें संसार के स्वामी, रचयिता, पालक व प्रलयकर्ता परमात्मा से प्राप्त होना है। वह सर्वव्यापक, सर्वज्ञ एवं न्यायकारी है। वह हमारे कर्मों का पूरा पूरा न्याय करते हुए हमें जन्म देंगे। हमें वैदिक धर्म के इस सिद्धान्त को सभी पठित व विद्वत्जनों को समझाना चाहिये और उन्हें भी इसके प्रचार की प्रेरणा करनी चाहिये। इसी में सबका कल्याण व हित निहित है। इन विचारों से पूरी मानवता एवं प्राणी जगत का भी उपकार होगा। हमारा वर्तमान व पारलौकिक जीवन भी उन्नति को प्राप्त होंगे। हमें मोक्ष प्राप्त हो या न हो, हम पशु एवं पक्षी आदि नीच योनियों में जाने से तो बच ही सकते हैं। हमें वेद, दर्शन, उपनिषद एवं ऋषि दयानन्द के सत्यार्थपकाश आदि इतर सभी ग्रन्थों का स्वाध्याय कर वेद के सिद्धान्तों एवं मान्यताओं को जानना और समझना चाहिये।

आर्यसमाज की स्थापना से वैदिक धर्म का पुनरुद्धार एवं रक्षा हुई है। यह कार्य सदा चलता रहना चाहिये। यदि इस कार्य में शिथिलता हुई तो इससे मानवता पर अनेक संकट आ सकते हैं। वेद प्रचार से ही मानव समाज श्रेष्ठ समाज बनेगा तथा कृण्वन्तों विश्मार्यम् से ही विश्व का कल्याण एवं उन्नति होगी।

हमें यह भी जानना है कि ऋषि दयानन्द ने वैदिक धर्म के पुनरुद्धार का कार्य अपने गुरु स्वामी विरजानन्द सरस्वती, मथुरा की प्रेरणा से किया था। इस कार्य को करते हुए उन्होंने अपने कुछ सहयोगियों एवं अनुयायियों के निवेदन पर आर्यसमाज की स्थापना मुम्बई में 10 अप्रैल सन् 1875 को की थी। आर्यसमाज ने ऋषि दयानन्द निर्दिष्ट वैदिक सिद्धान्तों का प्रचार प्रसार करते हुए समाज को सुदृढ़ करने में सहायक कार्यों यथा अज्ञान, अविद्या, अन्धविश्वासों, पाखण्ड, कुरीतियां आदि दूर करने का महान कार्य किया है। आर्यसमाज ने ईश्वर की सच्ची स्तुति, प्रार्थना और उपासना को प्रचलित किया है। आर्यसमाज ने पर्यावरण को शुद्ध व पवित्र रखने सहित सब मनुष्य आदि प्राणियों को स्वस्थ रखने के लिए देवयज्ञ अग्निहोत्र भी प्रचलित किया जिसे अधिकांश आर्यसमाजी नियमित, सप्ताहिक व पाक्षिक रूप से करते हैं। माता-पिता का महत्व भी वैदिक साहित्य में पढ़ने को मिलता है। हमें माता-पिता का उनकी उचित आज्ञाओं का पालन करते हुए जीवन भर सहयोग व पालन करना है। इस परम्परा पर चल कर हमारी सन्तानें भी हमारे साथ ऐसा ही व्यवहार करेंगी और उन सन्तानों की सन्तानें भी उनका रक्षण व पालन करेंगी। इस दृष्टि से पितृयज्ञ का विधान है जिसे सभी विवेकी पुरुष स्वीकार करते हैं और अपने परिवारों में माता-पिताओं की तन-मन-धन से सेवा भी करते हैं। विद्वान अतिथियों का सत्कार करना भी गृहस्थियों का कर्तव्य होता है। इसे अतिथि यज्ञ के नाम से जाना जाता है। विद्वानों का आदर, उनकी सेवा तथा घर पर आने पर उनकी सेवा व उनसे विनम्रतायुक्त व्यवहार करना भी धर्म का आवश्यक अंग है। इसको भी शास्त्रों के आधार पर आर्यसमाज ने ही प्रचलित व प्रचारित किया है। पशु-पक्षियों में भी हमारे समान आत्मा है। यह सभी पशु पक्षी किसी न किसी रूप में मनुष्य जीवन में सहयोग करने के लिए परमात्मा द्वारा बनाये गये हैं। गायों से हमें दुग्ध मिलता है। बैल हमारी खेती में हल चलाने व अन्य कार्यों में सहायक होते हैं। घोड़े हाथी भी उपयोगी हैं। उनका भी पोषण हमें करना चाहिये। सभी प्राणियों के प्रति हमारा पूर्ण अहिंसात्मक व्यवहार होना चाहिये। अदण्डनियों को दण्ड व पीड़ा देना मनुष्यों का कर्तव्य व कार्य नहीं है। किसी को भी किसी प्राणी को अपने स्वार्थ के कारण कष्ट नहीं देना चाहिये। यह शिक्षा भी हमें बलिवैश्वदेव यज्ञ से मिलती है।

आर्यसमाज ने देश को स्वतन्त्र कराने सहित समाज से सभी प्रकार के अन्धविश्वासों और पाखण्डों को दूर करने का कार्य किया है व कर रहा है। आर्यसमाज ने समाज में सदियों से प्रचलित अनेकानेक कुरीतियों का उन्मूलन किया है। नारी शिक्षा सहित बच्चों की शिक्षा का आन्दोलन भी आर्यसमाज ने किया है तथा देश भर में गुरुकुल एवं विद्यालय खोले हैं जो आज भी संचालित हो रहे हैं। आर्यसमाज ने ही देश को सबसे अधिक वेदों सहित वैदिक धर्म एवं संस्कृति के पोषक विद्वान दिये हैं। आर्यसमाज स्थापना दिवस पर हमें आर्यसमाज के साहित्य सहित आर्यसमाज के इतिहास को पढ़ने का संकल्प लेना चाहिये। इससे हम आर्यसमाज के महत्व से परिचित हो सकेंगे। हम पायेंगे कि आर्यसमाज मानवमात्र वा प्राणीमात्र का कल्याण करने वाली संसार की एकमात्र अनूठी संस्था है। सबको आर्यसमाज के साथ सहयोग करना चाहिये और वैदिक विचारधारा को अपनाना चाहिये जो कि वस्तुतः सत्य, शिव एवं सुन्दर है। सबके लिए हितकारी एवं कल्याणकारी है। सबका पोषण करने वाली तथा दुःखों का निवारण करने वाली है। सब प्राणियों के प्रति न्यायपूर्ण व्यवहार करने की शिक्षा देती है। आर्यसमाज के स्थापना दिवस एवं रामनवमी पर्व की सभी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनायें एवं बधाई। ओ3म् शम्।

भगवान राम के बारे में 10 बातें और श्री रामनवमी के शुभ मुहूर्त

संसार के पालनहार भगवान श्री विष्णु जी ने धर्म की स्थापना और अधर्म के समूल नाश के लिए त्रेतायुग में धरती पर मनुष्य रूप में अवतार लिया था। भगवान विष्णु के अनेक अवतारों में से एक अवतार त्रेता युग में सरयू नदी के तट पर बसी अयोध्या नगरी में सूर्यवंश कुल के राजा दशरथ की महारानी कौशल्या के गर्भ से चैत्र मास की नवमी तिथि अभिजीत मुहूर्त में राम जी ने जन्म लिया था। तब से लेकर आज तक युगों-युगों से चैत्र मास की नवमी तिथि को रामनवमी पर्व मनाया जाता है।

- भगवान श्री राम को मर्यादा का प्रतीक माना जाता है।
- उन्हें पुरुषोत्तम यानि श्रेष्ठ पुरुष की संज्ञा दी जाती है।
- राम जी स्त्री पुरुष में भेद नहीं करते। अनेक उदाहरण है जहां वे अपनी पत्नी सीता के प्रति समर्पित व उनका सम्मान करते नजर आते हैं।
- भगवान राम समाज में व्याप्त ऊंच नीच के भेदभाव को भी नहीं मानते। शबरी के झूठे बेर खाने का उदाहरण इसे समझने के लिये सर्वोत्तम है।
- राम जी वेद शास्त्रों के ज्ञाता और समस्त लोकों पर अपने पराक्रम का परचम लहराने वाले हैं।
- भगवान श्री राम विभिन्न कलाओं में निपुण लंकापति रावण के अहंकार के किले को ध्वस्त करने वाले परम पराक्रमी है।
- रामनवमी के दिन धूमधाम के साथ राम जन्मोत्सव मनाते हुए श्रीरामचरित मानस ग्रंथ का पाठ करना चाहिए।
- श्रीराम लला को मावा एवं पंजरी का भोग अति प्रिय है।
- श्रीरामनवमी के दिन उपवास रखने से जीवन में सुख समृद्धि आती है और ज्ञात-अज्ञात सभी तरह के पापों का नाश हो जाता है।

राम जन्म की रोचक घटनाएं

भगवान प्रभु श्रीराम का जन्म वाल्मीकि कृत रामायण के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी को हुआ था। आओ जानते हैं जन्म की रोचक घटनाएं।

- **राजा दशरथ ने किया था पुत्रेष्टि यज्ञ :** रामचरितमानस के बालकांड के अनुसार राजा दशरथ ने पुत्र की कामना से पुत्रेष्टि यज्ञ किया था। वशिष्ठजी ने श्रृंगी ऋषि को बुलवाया और उनसे शुभ पुत्रकामेष्टि यज्ञ कराया। इस यज्ञ के बाद कौसल्या आदि प्रिय रानियों को पुत्र प्राप्त हुए।
- **शुभ योग में हुआ जन्म :** योग, लग्न, ग्रह, वार और तिथि सभी अनुकूल हो गए तब श्रीराम का जन्म हुआ। पवित्र चैत्र का महीना था, नवमी तिथि थी। शुक्ल पक्ष और भगवान का प्रिय अभिजित मुहूर्त था। दोपहर का समय था। न बहुत सर्दी थी, न धूप (गरमी) थी।
- **चारों और मौसम खुशनुमा हो गया :** वह पवित्र समय सब लोकों को शांति देने वाला था। जन्म होते ही जड़ और चेतन सब हर्ष से भर गए। शीतल, मंद और सुगंधित पवन बह रहा था। देवता हर्षित थे और संतों के मन में (बड़ा) चाव था। वन फूले हुए थे, पर्वतों के समूह मणियों से जगमगा रहे थे और सारी नदियां अमृत की धारा बहा रही थीं।
- **देवता उपस्थित हुए :** जन्म लेते ही ब्रह्माजी समेत सारे देवता विमान सजा-सजाकर पहुंचे। निर्मल आकाश देवताओं के समूहों से भर गया। गंधर्वों के दल गुणों का गान करने लगे। सभी देवाता राम लला को देखने पहुंचे।
- **नगर में हुआ हर्ष व्याप्त :** राजा दशरथ ने नांदीमुख श्राद्ध करके सब जातकर्म-संस्कार आदि किए और द्वीजों को सोना, गो, वस्त्र और मणियों का दान दिया। संपूर्ण नगर में हर्ष व्याप्त हो गया। ध्वजा, पताका और तोरणों से नगर छा गया। जिस प्रकार से वह सजाया गया। चारों और खुशियां ही खुशियां थीं। घर-घर मंगलमय बधावा बजने लगा। नगर के स्त्री-पुरुषों के झुंड के झुंड जहां-तहां आनंदमग्न हो रहे हैं।

श्रीराम नवमी

नीति, न्याय और नेतृत्व का नाम श्री राम

भारत में राम एक ऐसा नाम है जो अभिवादन या नमस्कार का पर्यायवाची है। हिमालय से कन्याकुमारी तक ही नहीं अपितु सुदूर पूर्व के कई देशों में भी राम और रामायण असाधारण श्रद्धा के केंद्र हैं।

राम प्रतिनिधित्व करतें हैं मानवीय मूल्यों की मर्यादा का। रामकथा के सैकड़ों संस्करण हैं जिनके लेखकों को श्रीराम के ईश्वरत्व पर पूर्ण विश्वास था लेकिन उन सब ने श्रीराम का चित्रण एक मनुष्य के रूप में ही किया। जो समाज की विभिन्न अवस्थाओं से गुजरता है और अनेक प्रकार के कष्ट सहन करता है। चक्रवर्ती सम्राट के सुपुत्र हैं राम पर गुरुकुल या वनवास की सभी मर्यादाओं का पालन करते हैं। माता व विमाताओं में कोई भेद नहीं.भाइयों से प्रेम की कोई सीमा नहीं। प्रजा की आंखों के तारे हैं और पराक्रम की कोई तुलना नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण बात कि वे राज्याभिषेक के समाचार से प्रसन्न नहीं होते और वनवास के दु:ख का उन पर लेशमात्र भी प्रभाव नहीं है।' सम्पतौ च विपत्तौ च महतां एक रूपता 'के साक्षात उदाहरण हैं। सारा पराक्रम स्वयं का है लेकिन वे इसका श्रेय अनुज लक्ष्मण को व वानरों और अपनी सेना को देते हैं। कुलीन होने के बाद भी शबरी, निषाद, केवट से अगाध प्रेम है.राम जाति वर्ग से परे हैं.नर हों या वानर, मानव हों या दानव सभी से उनका करीबी रिश्ता है। क्षमाशील इतने हैं कि राक्षसों को भी मुक्ति देने में तत्पर हैं। वे यह सिखाते हैं कि बिना छल-कपट के मानव अपना जीवन यापन ही नहीं कर सकता अपितु ईश्वरत्व को भी प्राप्त कर सकता है। 'नरो नारायणो भवेत' को उन्होंने ऐसा प्रमाणित कर दिया है कि आज उनका नाम ही 'पतित पावन' हो गया है।

राम सिर्फ दो अक्षर का नाम नहीं, राम तो प्रत्येक प्राणी में रमा हुआ है, राम चेतना और सजीवता का प्रमाण है।अगर राम नहीं तो जीवन मरा है। राम भगवान विष्णु के सातवें अवतार माने जाते हैं। भारतीय समाज में मर्यादा, आदर्श, विनय, विवेक, लोकतांत्रिक मूल्यों और संयम का नाम राम है। असीम ताकत अहंकार को जन्म देती है। लेकिन अपार शक्ति के बावजूद राम संयमित हैं। वे सामाजिक हैं, लोकतांत्रिक हैं.वे मानवीय करुणा जानते हैं। वे मानते हैं- 'पर हित सरिस धरम नहीं भाई.राम देश की एकता के प्रतीक हैं.महात्मा गांधी ने राम के जरिए हिन्दुस्तान के सामने एक मर्यादित तस्वीर रखी. गांधी उस राम राज्य के हिमायती थे, जहां लोकहित सर्वोपरि हो.इसीलिए लोहिया भारत मां से मांगते हैं- 'हे भारत माता हमें शिव का मस्तिष्क दो, कृष्ण का हृदय दो, राम का कर्म और वचन दो'.मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम समसामयिक है। भारतीय जनमानस के रोम-रोम में बसे श्रीराम की महिमा अपरंपार है.

एक राम राजा दशरथ का बेटा,
एक राम घर-घर में बैठा,
एक राम का सकल पसारा,
एक राम सारे जग से न्यारा।

राम का जीवन आम आदमी का जीवन है। आम आदमी की मुश्किल उनकी मुश्किल है.जब राम अयोध्या से चले तो साथ में सीता और लक्ष्मण थे। जब लौटे तो पूरी सेना के साथ। एक साम्राज्य को नष्ट कर और एक साम्राज्य का निर्माण करके.राम अगम हैं संसार के कण-कण में विराजते हैं। सगुण भी हैं निर्गुण भी।तभी कबीर कहते हैं - निर्गुण राम जपहुं रे भाई आदिकवि ने उनके संबंध में लिखा है कि वे गाम्भीर्य में उदधि (सागर) के समान और धैर्य में हिमालय के समान हैं.राम के चरित्र में पग-पग पर मर्यादा, त्याग, प्रेम और लोकव्यवहार के दर्शन होते हैं।उनका पवित्र चरित्र लोकतंत्र का प्रहरी, उत्प्रेरक और निर्माता भी है.

'राम' सिर्फ एक नाम नहीं हैं और न ही सिर्फ एक मानव.राम परम शक्ति हैं। इसीलिए तो भगवान राम के आदर्शों का जनमानस पर इतना गहरा प्रभाव है और युगों-युगों तक रहेगा। हमारी अंतिम यात्रा के समय भी इसी 'राम नाम सत्य है' के घोष ने हमारी जीवनयात्रा पूर्ण की होती है और कौन नहीं जानता आखिर बापू ने अंत समय में 'हे राम' किनके लिए पुकारा था।

राम नाम उर मैं गहिओ जा कै सम नहीं कोई।।
जिह सिमरत संकट मिटै दरसु तुम्हारे होई।।

जिनके सुंदर नाम को ह्रदय में बसा लेने मात्र से सारे काम पूर्ण हो जाते हैं.जिनके समान कोई दूजा नाम नहीं है। जिनके स्मरण मात्र से सारे संकट मिट जाते हैं। ऐसे प्रभु श्रीराम को हम कोटि-कोटि प्रणाम.

होइहै वही जो राम रचि राखा। को करे तरफ बढ़ाए साखा।।

'राम' सिर्फ एक नाम नहीं हैं और न ही सिर्फ एक मानव। राम परम शक्ति हैं। प्रभु श्रीराम के द्रोहियों को शायद ही यह मालूम है कि वे अपने आसपास नर्क का निर्माण कर रहे हैं। इसीलिए यह चिंता छोड़ दो कि कौन प्रभु श्रीराम का अपमान करता है और कौन सुनता है। कौन जपता है और कौन नहीं जपता है।

राम से भी बड़ा राम का नाम

कहते हैं कि प्रभु श्रीरा राम का नाम राम से भी बड़ा है। राम राम जपने से कई लोगों को मोक्ष प्राप्त हो गया। राम एक महामंत्र है, जिसे हनुमान ही नहीं भगवान शिव भी जपते हैं। राम से पहले भी राम का नाम था। प्राचीन काल में राम ईश्वर के लिए संबोधित होता था।

राम या मार

राम का उल्टा होता है म, अ, र अर्थात मार। मार बौद्ध धर्म का शब्द है। मार का अर्थ है- इंद्रियों के सुख में ही रत रहने वाला और दूसरा आंधी या तूफान। राम को छोड़कर जो व्यक्ति अन्य विषयों में मन को रमाता है, मार उसे वैसे ही गिरा देती है, जैसे सूखे वृक्षों को आंधियां।

राम नाम कहने का अर्थ

- एक बार राम कहा तो संबोधन हुआ। राजस्थान में कहते हैं राम सा। आपके सारे दु:ख हरने वाला सिर्फ एकमात्र नाम है- 'हे राम।'
- दो बार राम कहा तो अभिवादन हुआ। उत्तर भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में कहते हैं राम राम।
- तीन बार राम कहा तो संवेदना हुई। जैसे 'ये क्या हुआ राम राम राम।'
- चार बार राम कहा तो भजन हुआ।

तारणहार राम का नाम

राम का नाम जपने वाले कई संत और कवि हुए हैं। जैसे कबीरदास, तुलसीदास, रामानंद, नाभादास, स्वामी अग्रदास, प्राणचंद चौहान, केशवदास, रैदास या रविदास, दादूदयाल, सुंदरदास, मलूकदास, समर्थ रामदास आदि। श्रीराम-श्रीराम जपते हुए असंख्य साधु-संत मुक्ति को प्राप्त हो गए हैं।

जीवन रक्षक नाम

प्रभु श्रीराम नाम के उच्चारण से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जो लोग ध्वनि विज्ञान से परिचित हैं वे जानते हैं कि 'राम' शब्द की महिमा अपरम्पार है। जब हम 'राम' कहते हैं तो हवा या रेत पर एक विशेष आकृति का निर्माण होता है। उसी तरह चित्त में भी विशेष लय आने लगती है। जब व्यक्ति लगातार 'राम' जप करता रहता है तो रोम-रोम में प्रभु श्रीराम बस जाते हैं। उसके आसपास सुरक्षा का एक मंडल बनना तय समझो। प्रभु श्रीराम के नाम का असर जबरदस्त होता है।

चौपाई

हरि अनंत हरि कथा अनंता। कहहिं सुनहिं बहुबिधि सब संता?
रामचंद्र के चरित सुहाए। कलप कोटि लगि जाहिं न गाए?

भावार्थ

हरि अनंत हैं (उनका कोई पार नहीं पा सकता) और उनकी कथा भी अनंत है। सब संत लोग उसे बहुत प्रकार से कहते-सुनते हैं। रामचंद्र के सुंदर चरित्र करोड़ों कल्पों में भी गाए नहीं जा सकते।

राम नवमी का संबंध भगवान विष्णु के अवतार मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम से है। भगवान विष्णु ने अधर्म का नाश कर धर्म की स्थापना करने के लिये हर युग में अवतार धारण किए। इन्हीं में एक अवतार उन्होंने भगवान श्री राम के रूप में लिया था। जिस दिन भगवान श्री हरि ने राम के रूप में राजा दशरथ के यहां माता कौशल्या की कोख से जन्म लिया वह दिन चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी का दिन था। यही कारण है कि इस तिथि को रामनवमी के रूप में मनाया जाता है। चैत्र नवरात्रि का भी यह अंतिम दिन होता है।

7 शब्दों का तारक महामंत्र श्री राम, जय राम जय जय राम

श्री राम जय राम जय जय राम - यह सात शब्दों वाला तारक मंत्र है। साधारण से दिखने वाले इस मंत्र में जो शक्ति छिपी हुई है, वह अनुभव का विषय है। इसे कोई भी, कहीं भी, कभी भी कर सकता है। फल बराबर मिलता है।

हमारा सबसे बड़ा दुर्भाग्य आज यही है कि हम राम नाम का सहारा नही ले रहे हैं। हमने जितना भी अधिक राम नाम को खोया है, हमारे जीवन में उतनी ही विषमता बढ़ी है, उतना ही अधिक संत्रास हमें मिला है। एक सार्थक नाम के रुप में हमारे ऋषि-मुनियों ने राम नाम को पहचाना है। उन्होंने इस पूज्य नाम की परख की और नामों के आगे लगाने का चलन प्रारंभ किया। प्रत्येक हिन्दू परिवार में देखा जा सकता है कि बच्चे के जन्म में राम के नाम का सोहर होता है। वैवाहिक आदि सुअवसरों पर राम के गीत गाए जाते हैं। राम नाम को जीवन का महामंत्र माना गया है। राम सर्वमय व सर्वमुक्त हैं। राम सबकी चेतना का सजीव नाम हैं। अस समर्थ रघुनायकहिं, भजत जीव ते धन्य? प्रत्येक राम भक्त के लिए राम उसके हृदय में वास कर सुख सौभाग्य और सांत्वना देने वाले हैं। तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में लिख दिया है कि प्रभु के जितने भी नाम प्रचलित हैं, उन सब में सर्वाधिक श्री फल देने वाला नाम राम का ही है। यह नाम सबसे सरल, सुरक्षित तथा निश्चित रुप से लक्ष्य की प्राप्ति करवाने वाला है। मंत्र जप के लिए आयु, स्थान, परिस्थिति, काल, जात-पात आदि किसी भी बाहरी आडम्बर का बंधन नहीं है। किसी क्षण, किसी भी स्थान पर इसे जप सकते हैं। जब मन सहज रूप में लगे, तब ही मंत्र जप कर लें। तारक मंत्र 'श्री' से प्रारंभ होता है। 'श्री' को सीता अथवा शक्ति का प्रतीक माना गया है। राम शब्द 'रा' अर्थात र-कार और 'म' मकार से मिल कर बना है। 'रा' अग्नि स्वरुप है। यह हमारे दुष्कर्मों का दाह करता है। 'म' जल तत्व का द्योतक है। जल आत्मा की जीवात्मा पर विजय का कारक है। इस प्रकार पूरे तारक मंत्र - 'श्री राम, जय राम, जय जय राम' का सार निकलता है - शक्ति से परमात्मा पर विजय। योग शास्त्र में देखा जाए तो 'रा' वर्ण को सौर ऊर्जा का कारक माना गया है। यह हमारी रीढ़-रज्जू के दाईं ओर स्थित पिंगला नाड़ी में स्थित है। यहां से यह शरीर में पौरुष ऊर्जा का संचार करता है। 'मा' वर्ण को चन्द्र ऊर्जा कारक अर्थात स्त्री लिंग माना गया है। यह रीढ़-रज्जू के बांई ओर स्थित इड़ा नाड़ी में प्रवाहित होता है। इसीलिए कहा गया है कि श्वास और निश्वास में निरंतर र-कार 'रा' और म-कार 'म' का उच्चारण करते रहने से दोनों नाड़ियों में प्रवाहित ऊर्जा में सामंजस्य बना रहता है। अध्यात्म में यह माना गया है कि जब व्यक्ति 'रा' शब्द का उच्चारण करता है तो इसके साथ-साथ उसके आंतरिक पाप बाहर फेंक दिए जाते हैं। इससे अंत:करण निष्पाप हो जाता है।

संक्षिप्त समाचार

मस्तूरी अनुविभाग में चल रहा गुप्ता सिंडिकेट

बिलासपुर (समय दर्शन) । एक समय छत्तीसगढ़ की राजनीति में तहलका मचाने वाला भूमि घोटाला भदौरा हुआ जिसमें कई सौ एकड़ सरकारी जमीन गायब हो गई भला हो कुछ जागरूक नागरिकों का जिनकी शिकायत पर मामले का खुलासा हुआ। और व्यवस्था को एफआईआर करना पड़ा। 2018 के बाद मस्तूरी ब्लाक का दर्रीघाट जांजगीर रायपुर एन एच पर आ गया और फोर लाइन के किनारे आने पर अत्यधिक अधिक महत्वपूर्ण हो गया। सबसे पहले भूमि के नाम पर जमकर लूट हुई, पटवारी हल्का नंबर 25 में लगभग 150 एकड़ शासकीय जमीन हुआ करते थे। गुप्ता सिंडिकेट लगभग 50 एकड़ सरकारी जमीन को निजी बनाकर बिक्री कर चुका है। खसरा नंबर 113, 77 में विशेष तौर पर मिशल से अधिक जमीन का बिक्री हो चुका है। कांग्रेस शासन काल में दर्री क्षेत्र में सरपंचों ने जागरूक नागरिकों के साथ तत्कालीक बिलासपुर कलेक्टर डॉक्टर सारांश मित्तल को ज्ञापन सौंपा, पर मस्तूरी एसडीएम पंकज डाहिरे ने जांच ठंडे बस्ते में डाल दिया एक से ज्यादा बार मीडिया ने भी इस विषय को उठाया अभी भी राज्य में सत्ता परिवर्तन हुआ पर गुप्ता बंधुओं का सिंडिकेट जोर शोर से अपने काम पर लगा हुआ है। अधिकारी शिकायत होने पर जांच की बात कह कर मामले को रद्दी की टोकरी में डालते हैं इसलिए यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं की दर्रीघाट भदौरा टू सिक्कल बन रहा है।

कांग्रेस का अनुशासित कार्यकर्ता कौन है जगदीश या विष्णु

बिलासपुर (समय दर्शन) । बिलासपुर लोकसभा प्रत्याशी नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ होने के काफी दिन पहले राष्ट्रीय कांग्रेस ने बिलासपुर से देवेंद्र यादव को अपना प्रत्याशी घोषित किया। तत्काल पार्टी के जी कार्यकर्ता को बुरा लगा जगदीश कौशिक ने देवेंद्र यादव के नाम का विरोध करते हुए पार्टी कार्यालय के बाहर ही अनशन पर बैठ गए। दूसरी और विष्णु यादव ने अपना विरोध नामांकन पत्र खरीद कर दिखाया वे कह रहे हैं देवेंद्र यादव योग्य है तो उनसे ज्यादा योग्य तो अंग्रेज थे क्या उनको बुला लें...सवाल यह उठता है कि पार्टी का निष्ठावान कार्यकर्ता कौन जगदीश कौशिक या विष्णु यादव प्रदेश में बिलासपुर लोकसभा सीट जीतने के लिए कांग्रेस ने कई प्रयोग किया यहां तक की पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की पत्नी रेणु जोगी को भी समर में उतारा भाजपा की करुणा शुक्ला ने जब मोदेश्वरवाद से विरोध दर्ज करते हुए कांग्रेस प्रवेश किया तो उन्हें बिलासपुर से टिकट दी गई। लगातार बिलासपुर की जीत के पीछे भाजपा की एक बड़ी चालाकी दिखाई देती है वे हर बार लोकसभा के सांसद को टिकट न देकर एक नया चेहरा देते हैं। जनता ने जिस पर भरोसा जताया उसे दोबारा जनता के सामने लाते ही नहीं, उदाहरण दिलीप सिंह जूदेव दिवंगत होने के कारण प्रत्याशी बदला पर राजनीति का इतिहास गवाह है जूदेव ने कभी भी जीतने के बाद दोबारा उसे क्षेत्र से चुनाव नहीं लड़ा। लखन लाल साहू जीते दोबारा टिकट नहीं मिला अरुण साव को चुनाव आने के पूर्व ही विधायक का टिकट देकर विदाई दे दी गई। मतदाता कार्यों का हिसाब किस मांगे सांसद से या प्रत्याशी से या प्रधानमंत्री से जो कहीं आते ही नहीं। मन की बात एकालाप है। इस बार कांग्रेस ने एक ऐसे युवा चेहरे को मौका दिया है चुनाव प्रचार की विशेष बात यह है कि भाजपा के होल्डिंग पर उनके प्रत्याशी तोखन साहू की फोटो ढूंढने पर भी मिल जाए वहीं कांग्रेस के प्रत्याशी देवेंद्र यादव पोस्ट पर सबसे बड़ी फोटो होती है। लोकतंत्र के वोट देने का अधिकार सांसद चुनो प्रधानमंत्री नहीं यदि कांग्रेस के नेता ही इस चीज को नहीं समझेंगे तो मतदाता को कैसे समझाएंगे।

भाजपा के अपराधिक कृत्यों पर अपराध दर्ज कराए आयोग - कांग्रेस

राजनांदगांव (समय दर्शन) । संसदीय क्षेत्र सहित छत्तीसगढ़ के सभी लोकसभा सीटों में अपनी सुनिश्चित हार को देखते हुए भाजपाई लगातार राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र के लोकप्रिय प्रत्याशी भूपेश बघेल जी के चरित्र हनन का लगातार सोशल मीडिया के माध्यम से प्रयास कर रहे हैं जो भाजपाइयों के आपराधिक मानसिकता को प्रदर्शित करने के साथ-साथ लोकतंत्र के शांतिपूर्ण निर्वाचन में बाधा पहुंचाने का उनका कार्य है। भाजपा आईटी सेल के प्रदेश के बाद जिला स्तर पर इस प्रकार का कृत्य आचार संहिता के उल्लंघन के साथ-साथ व्यक्तिगत आक्षेप लगाने वाला भी अपराधिक कृत्य किया गया है जिसकी शिकायत प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता रूपेश दुबे, प्रदेश यूंका महासचिव मानव देशमुख, शहर कांग्रेस महामंत्री झम्मन देवांगन, सचिव अतुल शर्मा ने रिटर्निंग आफिसर राजनांदगांव से की है। प्रदेश प्रवक्ता रूपेश दुबे ने बताया कि पूर्व में भी प्रदेश भाजपा आईटी सेल की आयोग के समक्ष प्रमाणित शिकायत की गई थी जिसके बाद भी भाजपाइयों के हौसले बुलंद है और निर्वाचन आयोग को आम जनता के बीच में बौना साबित कर रहे है ।

लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होने जिले के युवा मतदाता हो रहे उत्साहित

धमतरी (समय दर्शन)। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत आगामी 26 अप्रैल को महासमुंद लोकसभा के विधानसभा क्षेत्र धमतरी, कुरूद और कांकेर लोकसभा के विधानसभा क्षेत्र सिहावा के मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। जिले के महिला, बुजुर्ग, दिव्यांग सहित युवा मतदाताओं में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। लोकतंत्र के महापर्व में पहली बार मतदान करने जा रहे धमतरी निवासी लोकेश कुमार नेताम ने कहा कि मैने हाल ही में अपनी बारहवीं कक्षा की पढ़ाई पूरी की है और अग्निवीर सेना की भर्ती के लिए तैयारी कर रहा हूं। उन्होंने बड़े उत्साह के साथ बताया कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर मुझे लोकतंत्र के महापर्व में मतदान करने का अवसर मिल रहा है। मतदान के दिन मैं स्वयं वोट डालने जाउंगा और आसपास के दोस्त, पड़ोसी और परिवार के

लोगों को भी मतदान के लिए लेकर जाउंगा। वहीं ग्राम मुजगहन की चेष्टा ध्रुव बतातीं हैं कि लोकसभा निर्वाचन 2024 में आगामी 26 अप्रैल को मैं पहली बार मतदान करूंगी। मुझे काफी खुशी महसूस हो रही है कि देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाउंगी। उन्होंने 18 वर्ष पूर्ण कर चुके अपनी सहेलियों और सहपाठियों सहित आसपास के लोगों को भी अपने बहुमूल्य वोट का उपयोग करने की बात कही। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री नम्रता गांधी के निर्देश और सीईओ जिला पंचायत तथा स्वीप जिला नोडल अधिकारी सुश्री रोमा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में जिले में स्वीप गतिविधियां संचालित की जा रहीं हैं। इसका प्रभाव जिले के शत-प्रतिशत मतदाताओं में दिखाई देने लगा है। मतदाताओं को जागरूक करने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मनरेगा और अन्य मजदूर, नेहरू युवा केन्द्र, रेडक्रॉस सोसायटी के वॉलिंटियर्स, दिव्यांग स्कूलों के विद्यार्थी, महाविद्यालयीन विद्यार्थी सहित विभिन्न समाजों के पदाधिकारियों के जरिए स्वीप सायकल रैली, रंगोली, कलश यात्रा, दिवार लेखन, मेहंदी सजावट, नुक्कड़ नाटक, प्रहसन, शपथ, विभिन्न पर्वों में मिलन के दौरान मतदान की शपथ इत्यादि कार्यक्रम किये जा रहे हैं।

शत प्रतिशत मतदान हेतु मतदाताओं को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया जागरूक

महासमुंद (समय दर्शन)। शासकीय पॉलीटेक्निक महासमुंद के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने एवं ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में मतदाताओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से स्वीप गतिविधियों के अन्तर्गत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रभात मलिक एवं जिला स्वीप नोडल अधिकारी एस. आलोक के निर्देशानुसार एवं संस्था के प्राचार्य श्रीमती चंद्रिका विश्वकर्मा के मार्गदर्शन व संस्था नोडल अधिकारी सालिक राम ढीमर के सहयोग से संस्था के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक द्वारा नवीन मतदाताओं में शत प्रतिशत मतदान हेतु एक-एक वोट के महत्व को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समझाया गया। साथ ही संस्था परिसर से ग्राम बारोंडाबाजार में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई तथा संस्था के प्राचार्य द्वारा मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाकर 26 अप्रैल को मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया। उक्त कार्यक्रम में संस्था के समस्त अधिकारी-कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मतदान प्रशिक्षण में डेमो करके सीखने से आत्मविश्वास बढ़ेगा- कलेक्टर

सारंगढ़ बिलाईगढ (समय दर्शन) । कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू ने सारंगढ़ के सेजेस स्कूल में 12 अप्रैल से शुरू किए गए जिला स्तर के प्रशिक्षण का अवलोकन किया। इस प्रशिक्षण में पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी 1, 2 और 3 शामिल हुए। प्रतिदिन लगभग 900 अधिकारी-कर्मचारी इस प्रशिक्षण में शामिल होते हैं। यह प्रशिक्षण सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक प्रथम पाली और दोपहर 2 से 6 द्वितीय पाली संचालित होता है। आगामी 18 अप्रैल को भी यह प्रशिक्षण होगा। कलेक्टर साहू ने प्रशिक्षणार्थी नेहा ठाकुर से पूछे कि विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान मतदान दल में शामिल थे, तो कैसा अनुभव है। नेहा ठाकुर ने कहा कि हमें प्रेक्टिकली सभी कार्य को ज्ञान होना चाहिए। कलेक्टर श्री साहू ने नेहा ठाकुर

के जवाब को सही कहा। कलेक्टर ने कहा कि थ्योरी के साथ-साथ हमें प्रेक्टिकली ईवीएम मशीनों के कनेक्ट, सील, सभी प्रक्रिया का ज्ञान और भौतिक स्तर पर क्रियान्वयन करना आना चाहिए। कार्य का डेमो करके सीखने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। ट्रेनिंग में थ्योरी और समझाने से बेहतर और अच्छा डेमो करके दिखाना है। कलेक्टर श्री साहू ने कई कक्षों में हो रहे प्रशिक्षण का अवलोकन किया। इस दौरान श्री साहू ने डाक मत, टेंडर वोट, चैलेंज वोट आदि के बारे में प्रशिक्षणार्थियों से पूछे। प्रशिक्षणार्थियों ने इन सभी के बारे में जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान परियोजना निदेशक एवं स्वीप नोडल अधिकारी हरिशंकर चौहान, मास्टर ट्रेनर चूडामणि गोस्वामी, एस.आर. अजय, जे.आर. बंजारे, एबीईओ मुकेश कुर्रे, प्राचार्य सुदीप्त प्रधान आदि उपस्थित थे।

ग्रीष्मकालीन प्याउघर सेवा 9 मई तक जिला मुख्यालय मुंगेली में विभिन्न स्थानों पर किया गया आरंभ

मुंगेली (समय दर्शन) । भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त डॉ सोमनाथ यादव द्वारा जिला मुंगेली में प्याऊ घर का निरीक्षण करने पहुंचे अधिकारी का मुंगेली जिला के कोषाध्यक्ष जेठमल कोटरिया द्वारा पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया साथ जिला के समस्त स्काउटर, गाइडर ने राज्य मुख्य आयुक्त का सुवागत किया साथ ही मोरजध्वज सप्रे ने स्कार्फसे स्वागत किया, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य अध्यक्ष राज्य मुख्य आयुक्त व राज्य सचिव के निर्देशानुसार एवं जिला आयुक्त स्काउट् पदेन जिला शिक्षा अधिकारी मुंगेली के मार्गदर्शन में ग्रीष्मकालीन प्याउ घर सेवा मंगलवार नौ अप्रैल से नौ मई 2024 तक जिला मुख्यालय मुंगेली में आरंभ किया गया है भारत स्काउट्स एवं गाइड्स मुंगेली जिला संघ मुंगेली प्याउ का शुभारंभ जेठमल कोटरिया एवं ब्यपारी संघ के सचिव कमल सोनी के द्वारा जैन मंदिर गोल बजार में प्याउ घर का शुभारंभ किया गया इसी कड़ी में कलेक्टर आफिस करही में प्याउ घर का शुभारंभ शा.उ.मा.वि.करही प्रचार्य जयमंगल सिंह ध्रुव के द्वारा किया गया तो दूसरी ओर मुंगेली जिला अंतर्गत विकास खंड लोरमी भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ मुंगेली प्याउ घर का शुभारंभ विकास खंड शिक्षा अधिकारी डी.एस राजपूत द्वारा आरंभ किया गया कार्यक्रम के दौरान अमित गुप्ता, युगल राजपूत, परमेश्वर स्काउट् गाइड् रोवर रेंजर आदि ने सहयोग किया गया। उक्त प्याउ घर का निरीक्षण के दौरान मुंगेली जिला के कोषाध्यक्ष जेठमल कोटरिया मोरजध्वज सप्रे, जिला सचिव आकाश परिहार ,सुश्री रोहिणी ठाकुर, बिजेन्द्र कश्यप, वीरेंद्र कश्यप,रामकुमार बघेल, और स्काउट, गाइड,रोवर, रेंजर, उपस्थित थे।

स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान करने सेंदरी के उद्यान श्रमिकों एवं ग्रामीणों ने ली शपथ

मुंगेली (समय दर्शन) । विकासखण्ड पथरिया के शासकीय उद्यान रोपणी सेन्दरी में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उद्यान में कार्यरत श्रमिकों, महिलाओं तथा ग्रामवासियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस दौरान सभी लोगों को 07 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान करने के लिये प्रेरित

किया गया। उद्यान विभाग की सहायक संचालक भगवती साहू ने बताया कि कार्यक्रम में लोकतंत्र में पूर्ण आस्था रखते हुए बिना किसी प्रलोभन के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान करने शपथ दिलाई गई। इस दौरान मतदाता जागरूकता रैली निकालकर ग्रामवासियों को मतदान के महत्व को बताया गया और चुनाव में शत-प्रतिशत भागीदारी के लिये प्रेरित किया गया।

सामान्य प्रेक्षक की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों की बैठक

महासमुंद (समय दर्शन)। लोकसभा निर्वाचन 2024 के संबंध में लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 09 महासमुंद के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक अनिल कुमार अग्रवाल ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय राजनीतिक दल एवं अभ्यर्थियों व प्रतिनिधियों की बैठक ली। सामान्य प्रेक्षक अग्रवाल ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संसदीय क्षेत्र में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष निर्वाचन के लिए सभी राजनीतिक दलों का सहयोग आवश्यक है। आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता का पालन करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया में भागीदार बने। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दल अपनी शिकायत एवं समस्याओं के संबंध में सम्पर्क नम्बर पर जानकारी दे सकते हैं तथा न्यू सर्किट हाउस में प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक मिल सकते है। उन्होंने उपस्थित अभ्यर्थियों एवं प्रतिनिधियों से सुझाव भी लिए। बैठक में महासमुंद जिले के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक मनीष कुमार दबास, धमतरी एवं गरियाबंद के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक रामप्रभु उड़ई आर., कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रभात मलिक, उप जिला निर्वाचन अधिकारी निर्भय साहू मौजूद थे तथा पुलिस प्रेक्षक एम. राकेश चंद्र कलासागर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे। मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण व अभ्यर्थीगणों में ताम्रध्वज साहू इंडियन नेशनल कांग्रेस, गणेश राम ध्रुव हमर राज पार्टी, महेश स्वर्ण निर्दलीय, नारद प्रसाद निषाद शक्ति सेना भारत देश, डॉ. आत्मानवरत्न बसपा, संतोष बंजारे निर्दलीय, दाउलाल चंद्राकर, देवीचंद राठी, अमित साहू बैठक में शामिल थे।

वरिष्ठ नेता गिरधर मढ़रिया की भाजपा में वापसी, बघेल के लिए शुरु किया चुनाव प्रचार

दुर्ग (समय दर्शन) । वरिष्ठ नेता गिरधर मढ़रिया की भाजपा में घर वापसी हो गई है। उन्होने सोमवार को दुर्ग के मानस भवन में आयोजित भाजपा के कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष भाजपा प्रवेश किया। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने श्री मढ़रिया को भाजपा का दुपट्टा पहनाकर विधिवत भाजपा में प्रवेश दिलाई। वरिष्ठ नेता श्री मढ़रिया ने भाजपा प्रवेश का यह कदम देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कार्यशैली से प्रभावित होकर और विजय बघेल को विजयी बनाने का संकल्प लेकर उठाया है। भाजपा में शामिल हुए वरिष्ठ नेता गिरधर मढ़रिया 1985 में एमकॉम, एलएलबी की शिक्षा पूर्ण करने के बाद छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण सर्वदलीय मंच संस्था से जुड़े एवं

और युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रहकर छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के आंदोलन में महती भूमिका निभाई। इसी समय वे आरएसएस के शाखा के संपर्क में आए और संघ से आज तक निरंतर जुड़े हुए हैं। 1998 में संघ के अनुषांगिक संगठन भारतीय किसान संघ के प्रांत उपाध्यक्ष रहे। इसी समय भारतीय जनता पार्टी से जुड़े एवं 2003 में पाटन विधानसभा से बतौर भाजपा प्रत्याशी चुनाव भी लड़े। पिछले 5 वर्ष पूर्व उन्होने राष्ट्रीय स्तर पर पिछड़ा समाज पार्टी की स्थापना की। जिसके प्रमुख रहते हुए उन्होने आर्थिक रुप से कमजोर,पिछड़े व गरीब वर्ग के न्याय के लिए जोरदार आवाज उठाई है। सामाजिक व धार्मिक संगठनों में भी उनका अच्छा खासा दखल है। वरिष्ठ नेता गिरधर मढ़रिया के भाजपा में पुनः शामिल होने से उन्हें बधाईयों का तांता लगा हुआ है।

बाबा साहेब ने शोषित वर्ग के अधिकारो के लिए संघर्ष किया - वीरेंद्र ढीढी

महासमुंद /झलप (समय दर्शन)। 14 अप्रैल बोधिवस्त, समाज सुधारक, संविधान के जनक, अर्थशास्त्री, भारत रत्न बाबा सहाब डा भीम राव अम्बेडकर की 133 वी जयंती को सतनामी समाज और छत्तीसगढ़ सतनामी समाज मुक्ति केंद्र शाखा झलप परिक्षेत्र के द्वारा भव्य बाईक रैली निकाल कर मनाया गया। कार्यक्रम अम्बेडकर भवन झलप में बाबा सहाब डा भीम राव अम्बेडकर के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर संविधान को प्रस्तावना का सामुहिक वाचन किया गया। कार्यक्रम का मुख्यआथिति छत्तीसगढ़ सतनामी समाज मुक्ति केंद्र के मंत्री नकुल देव ढीढी का परपोत्र प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र ढीढी, उपदेश मारकंडे प्रदेश उपाध्यक्ष, अध्यक्षता सत्यानंद जेंद्र जिलाध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि महेन्द्र कोसरिया अध्यक्ष शाखा झलप, देवकुमार टंडन प्रदेश महामंत्री, नुप नरेंद्र बगमारे उपाध्यक्ष शाखा झलप, हीरालाल जोगी ज़िला उपाध्यक्ष, अश्वनी डोंड्रे पूर्व अध्यक्ष, नान जी बगमारे, संरक्षक हेमंत

सेवर, भागवत जोगी, किशोर सोनवानी, किशन लाल मारकंडे, धनेश गायकवाड, डायमन कोसरे, बाबू लाल, लख्खू ढीढी, राम प्यारे घृतलहरे, किसन कोसरिया, देवेंद्र राय, ढीढी जी अपने उद्बोधन में बाबा सहाब अम्बेडकर जी विचारों को व्यक्त करते हुए कहा की सामाजिक सुधार, शिक्षा सुधार, मौलिक अधिकार, व्यक्ति यो अधिकार और बाबा साहब के सभी विचारों को समाज जन को आत्मसाद करने की जरूर है। कार्यक्रम अगले कड़ी में सभी अथितियो के द्वारा अपना अपना विचार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए । 48 गांव के छत्तीसगढ़ सतनामी समाज मुक्ति केंद्र झलप परिक्षेत्र के द्वारा बाइक रैली का आयोजन किया जिसका अगवाही ग्राम पंचायत झलप के सरपंच किशन कोसरिया के द्वारा किया, जिसमें सभी सैकड़ों युवा साथियों के द्वारा जय भीम का नारा लगाते हुए अम्बेडकर भवन झलप से छिंदौली में बाबा सहाब के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर फिर से झलप नगर का भ्रमण किया गया। कार्यक्रम और बाइक रैली का समापन की छत्तीसगढ़ सतनामी समाज मुक्ति केंद्र शाखा झलप परिक्षेत्र के अध्यक्ष महेंद्र कोसरिया के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में 48 गांव के सतनामी समाज मुक्ति केंद्र शाखा झलप परिक्षेत्र से महेन्द्र कोसरिया अध्यक्ष शाखा झलप परिक्षेत्र, नूप नरेंद बगमारे, मयाराम टंडन, उपाध्यक्ष, रामेश्वर भारती कोषाध्यक्ष, डुनेश्वर प्रसाद टंडन, चैतु मारकंडे, राजेंद्र जांगड़े, सचिव, पुरन मारकंडे महामंत्री, रविदेव वर्मा मीडिया, कार्यकारी सदस्य नेमीचंद वर्मा, पवन रूप राम कोसरिया, लहरे, ललीत, यशवंत जांगड़े, प्रेम लाल जांगड़े, आस करन बंजारे, काशीराम, आनंद राम कुर्रे, पप्पू मन्नाडे, लक्ष्मण शतरंज, सुरेंद्र, सुरेश भास्कर, कन्हैया, गणेश मूर्ति, आनंद ढीढी, दिलीप, सियाराम, जेठ लाल कोसरिया, गोपाल, रामेश्वर कुर्रे, गीत कुमार, राम सिंह सोनवानी, हीरालाल नारंग, धरम लहरे, शत्रुघन कोसर, मनराखन कुर्रे, झाडू राम बांधे, संजय भारती, समारू, संतोष जांगड़े, अमृत जांगड़े, आनंद ढीढी, हिराऊ, सुनहर, परस जोगी, केशव कोसरे, टीका राम कुर्रे, खेमराज भट्ट, यशवंत कोसले, अगरदास आवडे, लोकनाथ चदुर्वेदी, प्रताप मन्नाडे, विशाल मन्नाडे, नन्द जोशी, मोहन, ओमप्रकाश सोनवानी, सतीश मारकंडे, लक्ष्मी प्रसाद जोशी, कुमार मन्नाडे, शत्रुघन डोरा, सुजल रात्रे, दुरेश मन्नाडे, आदि उपास्थित रहे।

खबर-खास

हमारा सौभाग्य है कि हम भक्त माता कर्मा के कुल में जन्मे : चोवाराम साहू

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले की स. लोहारा तहसील के ग्राम कोयलारी में 14 अप्रैल को साहू समाज की कुल देवी भक्त माता कर्मा की मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान के तहत जहां रविवार की दोपहर 12 बजे से स्थानीय भक्त माता कर्मा मंदिर में विधिवत पूजा पाठ, कलश यात्रा व अन्य अनुष्ठानो के साथ मूर्ति स्थापना तथा प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सम्पन्ना हुआ, वहीं शाम को रामायण का आयोजन किया गया। सातों राज के अध्यक्ष छबिलाल साहू के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में चतुर साहू, चोवाराम साहू, घासी साहू, डरबन साहू, सुखचरण साहू, झा साहू, मदन साहू, बृजलाल साहू, गोवर्धन साहू, गोविंद साहू, मेखा लाल साहू सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग व ग्रामीणजन उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित जनो को संबोधित करते हुए कार्यक्रम अतिथि चोवाराम साहू ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हमारा जन्म कृष्ण भक्त माता कर्मा के कुल में हुआ है।

हायर इंडिया ने पेश की S800QT QLED सीरीज, इमर्सिव व्यूइंग के लिए नया बेंचमार्क किया स्थापित

नई दिल्ली: लगातार 15 सालों से नंबर 1 वैश्विक प्रमुख उपकरण ब्रांड, हायर अप्लायंसेज इंडिया ने अपनी नवीनतम स्मार्ट QLED सीरीज S800QT QLED के लॉन्च की घोषणा की है। होम एंटरटेनमेंट एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन की गई इस सीरीज में 4K QLED डिस्प्ले है और यह 4 साइज 75", 65", 55" और 43" में आती है, जो सभी चैनलों पर 38,990 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध होगी। ऑल-न्यू QLED सीरीज एक अद्वितीय मनोरंजन अनुभव प्रदान करने, उन्नत सुविधाओं की पेशकश करने और मंत्रमुग्ध करने वाले डिजाइन तत्वों की हायर इंडिया की व्यापक प्रशंसा पर आधारित है। अपने मूल में क्वांटम डॉट तकनीक के साथ, S800QT सीरीज रंगों का एक असाधारण स्पेक्ट्रम, अविश्वसनीय रूप से शानदार विज़ुअल्स और 4K डिस्प्ले के साथ बेजोड़ स्पष्टता प्रदान करती है। यह रेवोल्यूशनरी सीरीज दृश्यात्मक रूप से आकर्षक लुक के साथ अत्याधुनिक तकनीक को एकीकृत करती है, जिसका लक्ष्य उपभोक्ताओं को अपने घर के आराम से एक अद्वितीय सिनेमाई यात्रा में डुबो देना है।

रियलमी ने 15,999 रुपये के शुरुआती मूल्य सेगमेंट में सबसे अच्छी परफ़ॉर्मेंस और डिस्प्ले के साथ रियलमी पी सीरीज़ 5जी लॉन्च की

नई दिल्ली। भारत के सबसे विश्वसनीय स्मार्टफोन सेवा प्रदाता, रियलमी ने अपनी लेटेस्ट रियलमी पी सीरीज़ में 5जी स्मार्टफोन - रियलमी पी1 प्रो 5जी और रियलमी पी1 5जी लॉन्च किए हैं। ये दोनों अत्याधुनिक डिवाइस अपनी शानदार परफ़ॉर्मेंस और असाधारण यूज़र अनुभव के साथ मिड-रेंज स्मार्टफोन सेगमेंट में हलचल मचा देंगी। ये भारतीय ग्राहकों को फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध होंगी। नई पी सीरीज़ के साथ रियलमी अपना रियलमी पैड 2, वाई-फाई वैरिएंट और रियलमी टी110 बड्स भी लॉन्च करेगा। नई रियलमी पी सीरीज 5जी परफ़ॉर्मेंस और डिस्प्ले के मामले में सर्वश्रेष्ठ होने के साथ शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। इन स्मार्टफोन्स का डिज़ाइन रियलमी के डीएनए के अनुरूप बोल्ड और बाजार में नया है, जो यूज़र्स को मोहित कर देगा। इस लॉन्च के बारे में रियलमी के प्रवक्ता ने कहा, हमें रियलमी पी सीरीज़ 5जी पेश करने की खुशी है। यह स्मार्टफोन उद्योग में परफ़ॉर्मेंस के नए मानक स्थापित कर देगा। रियलमी पी सीरीज़ 5जी के साथ हमने अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और आधुनिक फीचर्स पेश किए हैं, जो मिड-रेंज सेगमेंट की परिभाषा बदल देंगे।

निधन : हेमंत रुंगटा

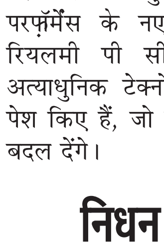

दुर्ग (समय दर्शन)। दीपक नगर निवासी हेमंत रुंगटा 52वर्ष का मंगलवार की सुबह निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में किया गया। वे कैलाश,बिमलेश,कमलेश के भतीजे, कृष्ण,प्रहलाद,पप्पू के भाई व जयंत रुंगटा के पिताजी थे। स्व. हेमंत रुंगटा सिविल लाईन कसारीडीह स्थित श्री साई बाबा मंदिर के कार्यकारिणी सदस्य थे। उनके निधन पर साई मंदिर समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों ने शोक व्यक्त किया है।

रामनवमी की तैयारी ज़ोरो पर, भगवामय हुआ गरियाबंद, जगह-जगह लगाए गए भगवा झंडे, पूरा शहर हुआ राम मय

गरियाबंद (समय दर्शन)। रामनवमीं के त्योहार पर शहर में निकलने वाली भव्य शोभायात्रा की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। एक ओर रामभक्त शहर को सजाए हैं तो वहीं दूसरी ओर सर्व हिंदू संगठनों ने शोभायात्रा में शामिल होने वाले दलों को प्र ?शिक्षण देना शुरू कर दिया है।रामनवमी को लेकर शहर में जोर शोर के साथ तैयारी चल रही है।रामनवमी को लेकर राम भक्तों में उत्साह देखा जा रहा है।आचार संहिता का पालन करते हुए रामभक्तों द्वारा शोभायात्रा की अनुमति ली जाएगी।जिसको लेकर रामभक्तों में उत्साह देखा जा रहा है।रामनवमी को लेकर विभिन्न अखाड़ा कमेटियां विश्व हिंदू परिषद श्री राम जन्मोत्सव समिति राम राज युवा संगठन हिंदू रक्षा मंच के युवा जोर शोर के साथ तैयारी कर रहे हैं।पूरे शहर को भगवा झंडों से सजाया जा रहा है।खासकर मुख्य शहर के तिरंगा चौक नेशनल हाईवे बजार चौक ले साथ मुख्य मार्गों को भगवा झंडा से पाटा जा रहा है। विश्व हिंदू परिषद मंदिरों में भव्य व आकर्षक झंडे लगा रही है। मंदिर को सजाने का काम चल रहा है।

500 वर्षों की तपस्या के बाद राम आए है रामनवमी को लेकर यहाँ उत्साह युवाओं में देखते बन रहा है ङ्क प्रकाश सोनी अध्यक्ष,,,,,श्री राम राज युवा संगठन

के अध्यक्ष प्रकाश सोनी ने बतलाया इस बार रामनवमी 18 अप्रैल को मनाया जाएगा चूंकि इस वर्ष अयोध्या के नव निर्मित राम मंदिर में हमारे भगवान राम लला विराजमान हुए हैं,जिस कारण से संपूर्ण देश में रामनवमी पर्व को लेकर दोगुना उत्साह है तथा गरियाबंद में भी इसका असर दिख रहा है।रामनवमी के त्यौहार को लेकर सर्व हिंदू संगठन के सभी युवाओं ने लगभग तैयारी पूरी कर ली है।इस बार 9 अप्रैल से चैत्र नवरात्र शुरू होंकर 17 अप्रैल को समापन होगा।17 को रामनवमी है पर ज्वारा विसर्जन को लेकर गरियाबंद ज़िला मुख्यलाय में 18 अप्रैल को रामनवमी मनाया जायेगा।

विश्व हिंदू परिषद के सदस्य ने बतलाया रामनवमी को लेकर युवाओं में बेहद उत्साह देखा जा रहा है प्रतिदिन रात में लगभग एक बजे तक स्वत: ही युवा शहर के कोने कोने में भगवा ध्वज और भगवा लगा रहे है साथ ही प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विभिन्न अखाड़ा से बात चल रही है युवा खिलाड़ी लाठी व शस्त्रों का अभ्यास कर रहे है।अखाड़ा में प्रत्येक शाम डंका बजाया जा रहा है। यहां लाठी खेल व शस्त्रों का अभ्यास कार्यक्रम भी चल रहा है।रामनवमी के दिन खिलाड़ी जगह जगह खेल का प्रदर्शन करेंगे।इसको लेकर खिलाड़ियों में उत्साह देखा जा रहा है।रामनवमी को लेकर क्षेत्र के बाजारों में भी रौनक है।बजार में झंडे की दुकानें सजने लगी है। कई आकर्षक झंडे मंगाए गए है। ऐसा लग रहा है मानों पूरा शहर भगवान राम मय हो गया है। चारो ओर माहौल पूरी तरह से भक्तिमय हो गया है।

महिंद्रा ने लॉन्च किया बोलेरो नियो+, कीमत 11.39 लाख से शुरू

मुंबई: भारत की अग्रणी एसयूवी विनिर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने आज बोलेरो नियो+ 9-सीटर का अनावरण किया, जिसे दो वेरिएंट- पी4 और प्रीमियम पी10 में पेश किया गया है। इस एसयूवी को स्टाइलिश, विशाल और मज़बूत एसयूवी चाहने वाले ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है, जिसमें ड्राइवर सहित 9 यात्री आराम से बैठ सकते हैं। बोलेरो नियो+ 9-सीटर बोलेरो के भरोसेमंद, शक्तिशाली और 'कहीं भी जाएं' वाली विशेषता पर आधारित है, जो नियो के स्टाइलिश बोल्ड डिज़ाइन, प्रीमियम इंटीरियर और प्रौद्योगिकी से लैस है। एसयूवी ग्राहकों को बड़े परिवारों, संस्थागत ग्राहकों, टूर एवं ट्रैवल ऑपरेटर और कंपनियों को पट्टे पर वाहन देने वाले कांट्रैक्टर के लिए अनूठी पेशकश करती है। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी ङ्क वाहन खंड, नलिनीकांत गोल्लगुंटा ने कहा, बोलेरो ब्रांड वर्षों से हमारे ग्राहकों के लिए मज़बूती और विश्वसनीयता की मिसाल बन गया है, जो लगातार उम्मीद से अधिक प्रदर्शन कर रहा है। बोलेरो नियो+ के लॉन्च के साथ, हम टिकाउपन, उन्नत सुविधाओं और बेहतर आराम का वादा कर रहे हैं जो हर परिवार और बेड़े के मालिक के लिए ड्राइविंग अनुभव को समान रूप से समृद्ध करता है।

कहीं भी जाने की क्षमता के साथ शक्तिशाली: बोलेरो नियो+ मजबूत 2.2 लीटर एमहॉक डीजल इंजन से लैस है, जिसमें उत्कृष्ट ईंधन दक्षता और प्रदर्शन के लिए माइक्रो-हाइब्रिड प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल हुआ। इसका बॉडी-ऑन-फ्रेम निर्माण और उच्च शक्ति वाला स्टील बॉडी शेल टिकाउपन और सुरक्षा के लिए डिज़ाइन किया गया है। एसयूवी ईबीडी के साथ एबीएस, डुअल एयरबैग, आईएसओफिक्स चाइल्ड सीट, इंजन इमोबिलाइज़र और ऑटोमैटिक डोर लॉक सहित उन्नत सुरक्षा सुविधाओं के साथ आता है। जो सभी यात्रियों के लिए सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करता है।

स्टाइलिश बोल्ड डिज़ाइन- बोलेरो नियो+ में एक्स-आकार के बंपर, क्रोम इन्सर्ट से लैस फ्रंट ग्रिल और एक एक्स-आकार के स्पेयर व्हील कवर जैसे सिग्नेचर बोलेरो तत्व हैं और साथ ही साइड बॉडी क्लैडिंग भी है। इसका प्रामाणिक एसयूवी डिज़ाइन और प्रभावशाली रुख को स्टाइलिश हेडलैंप, फॉग लैंप और एक कमांडिंग हुड से और बढ़ता है।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में ग्राहकों को एयरटेल के नेटवर्क पर मिल रहा है सबसे अच्छा वीडियो स्ट्रीमिंग एक्सपीरियंस : ओपन सिग्नल

इंदौर: नेटवर्क और कस्टमर के अनुभवों को स्वतंत्र रूप से मानकों पर परखने वाली कंपनी ओपन सिग्नल ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में एयरटेल को 5त्र नेटवर्क पर सबसे अच्छे वीडियो अनुभव के लिए अवार्ड दिया है। ओपन सिग्नल सही मायनों में मोबाइल प्रयोग करने वाले ग्राहकों के अनुभव को समझने का सटीक पैमाना है। एयरटेल ने लाइव और ऑन-डिमांड वीडियो स्ट्रीमिंग दोनों में सबसे अच्छा और बिना किसी रुकावट के एक्सपीरियंस दिया है और 5जी वीडियो स्ट्रीमिंग अनुभव के मामले में चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इसके अलावा, कंपनी वॉयस एप एक्सपीरियंस में भी सबसे आगे है, मल्टीप्लेयर मोबाइल गेम खेलने और ओटीटी वॉयस सर्विसेज का इस्तेमाल करने के लिए बिना किसी रुकावट के कनेक्शन प्रदान करती है। एयरटेल ने देश भर में विजयी 25.1 एमबीपीएस स्कोर के साथ 5त्र अपलोड स्पीड का अवॉर्ड भी जीता है।

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जयंती धूमधाम व सर्व धर्म समभाव के साथ मनाई गई

गरियाबंद (समय दर्शन)। नगर में डॉ.भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। जयंती के दिन सुबह बाइक रैली निकालकर बाबा साहेब के संदेशों को घर-घर तक पहुंचाया गया।14 अप्रैल को सुबह अंबेडकर चौक स्थित डॉ.बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर गाजे-बाजे व बाबा के गगनभेदी जयकारो के साथ नगर के विभिन्न वार्डों में शोभायात्रा यात्रा निकाली गई, जो नगर के विभिन्न मार्ग से होते हुए

शासकीय महाविद्यालय प्रांगण स्थित प्रतिमा स्थल तक पहुंची।शोभायात्रा में समाज के वरिष्ठ बुजुर्ग,महिलाऐ व युवक,युवतियां,नन्हें मुन्ने बच्चों ने गाजे-बाजे में समाज के लोग धूम धाम से नाचाते,थिरकते रास्तों में जगह-जगह विभिन्न समाज के लोगों ने बाबासाहेब की शोभा यात्रा का स्वागत किया वही मुस्लिम समाज ने शरबत व मिष्ठान वितरण किया। सभा स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राजिम विधायक रोहित साहू रहे,अध्यक्षता लालिमा ठाकुर,अध्यक्ष जनपद पंचायत ने की,विशेष अतिथि के रूप में सुरेंद्र सोनटके उमेंद्र सिंह कुमार जनाब अब्दुल कयूम गेंद लाल सिंह योगेश बघेल गंगाराम साहनी उपस्थित रहे ।

सभा को संबोधित करते हुए राजिम विधायक रोहित साहू ने कहा कि बाबा साहब के योगदान को देश कभी नहीं भूल पाएगा उनका दिया संविधान भारत को हमेशा नई दिशा और आगे बढ़ाने की प्रेरणा के साथ सबको साथ में लेकर चलने की भावना से प्रेरित है सबको समान अवसर और बंधुता के साथ सभी की भावनाओं का सम्मान करना हमें यह संविधान सिखाता है साथ ही बाबा साहब का जीवन कठिनाइयों से भरा रहा पर वह अपने आने वाली पीढियां को इन कठिनाइयों से दूर रखना चाहते थे वह नहीं चाहते थे कि उनके आने वाली पीढ़ियां इन कठिनाइयों का सामना करें देश के उन पिछड़े तबको को बाबा साहब मुख्य धारा में लाने के लिए उन्हें हमेशा शिक्षित रहने संगठित रहने और संघर्ष करने की प्रेरणा देते रहे पूरा भारत ही नहीं विश्व उनके इस योगदान को याद करता है आज समूचे विश्व में बाबा साहब को सिंबल ऑफ़ नालेज़ भारत भाग्य विधाता के रूप याद करते है।

लालिमा ठाकुर ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी महिलाओं को मुख्य धारा में लाने के साथ ही उनके अधिकारों के लिए लड़ने वाले एकमात्र पुरुष थे जिन्होंने आजादी के समय से महिलाओं को समान अधिकार दिए जाने की वकालत की वह उनके अधिकारों हको के लिए अपना पद तक त्याग दिया महिलाओं की शिक्षा के पक्षधर रहे बाबा साहब हमेशा ही कहां करते थे कि देश की आधी आबादी के साथ द्वंद दर्जे का व्यवहार कर देश को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता आज जो महिलाओं की देश में स्थित है वह बाबा साहब की देन है उनके दिए संविधान और उनमें किए गए महिलाओं के लिए प्रावधान का ही असर है की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है और देश का सम्मान बढ़ा रही हैं ।

कार्यक्रम को सुरेंद्र सोनटके अयूब खान हेमंत सांग गेंदलाल सिन्हा योगेश बघेल सहित अन्य वक्ताओं ने भी बाबा साहब के बारे में अपने विचार रखें कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए *प्रमुख रूप से बौद्ध महार समाज अध्यक्ष श्री शिव खापर्डे,, एवं समस्त महिला मंडल समाज के समस्त पदाधिकारी युवा साथी बालिकाएं* क्षेत्रीय समाज से पधारे समस्त सामाजिक कार्यकर्ताओ वं आमंत्रित सभीअतिथियों का योगदान रहा ।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने नई इनोवा हाईक्रॉस पेट्रोल जीएक्स (ओ) ग्रेड पेश की

बेंगलुरु : ग्राहक-सबसे पहले की अपनी संस्कृति और उनकी आवश्यकताओं का ख्याल रखते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने इनोवा हाईक्रॉस जीएक्स (ओ) पेट्रोल संस्करण में एक नए ग्रेड की शुरुआत की घोषणा की। इनोवा हाइक्रॉस लाइन-अप का नवीनतम संयोजन10 से अधिक उन्नत आराम और प्रौद्योगिकी सुविधाओं का दावा करता है, जिससे उन ग्राहकों के लिए मूल्य प्रस्ताव का स्तर बढ़ जाता है जो अधिक की तलाश में हैं। इनोवा हाईक्रॉस जीएक्स (ओ) ग्रेड की बुकिंग खुली हुई है और डिलीवरी 15 अप्रैल 2024 से शुरू होने की उम्मीद है।

इनोवा हाईक्रॉस पेट्रोल जीएक्स (ओ) पेट्रोल रूपांतर की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

रीएनर्जाइज्ड एक्सटीरियर - फ्रंट एलईडी फॉग लैंप, फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर, रियर डिफॉगर

बेहतर आराम - चेस्टनट थीम वाले इंटीरियर, डैशबोर्ड और डोर पैनल में सॉफ्ट टच सामग्री, मिड-ग्रेड फैब्रिक सीटें और रियर सनशेड*

परिष्कृत सुविधा - ऑटो एसी, 10.1 इंफोटेनमेंट सिस्टम*, वायरलेस एप्पल कारप्ले, पैनोरमिक व्यू मॉनिटर

जीएक्स (ओ) ग्रेड 7 और 8 सीट वाले विकल्पों में पेश किया गया है। यह सात गतिशील रंगों में उपलब्ध है - ब्लैकिश एजहा ग्लास फ्लेक, प्लैटिनम व्हाइट पर्ल, एटीट्यूड ब्लैक मीका, स्पार्कलिंग ब्लैक पर्ल क्रिस्टल शाइन, सिल्वर मेटालिक, सुपर व्हाइट और अवंत गार्डे ब्रोन्ज मेटैलिक। नई पेशकश पर टिप्पणी करते हुए, श्री सबरी मनोहर ङ्क वाइस प्रेसिडेंट, बिक्री-सेवा-प्रयुक्त कार व्यवसाय, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कहा, टीकेएम में, हम लगातार बाजार की जरूरतों को सुन रहे हैं और इस प्रकार यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हम जो भी वाहन पेश करते हैं वह हमारे ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों के अनुरूप हो। नई इनोवा हाईक्रॉस पेट्रोल जीएक्स (ओ) ग्रेड इस दर्शन का एक प्रमाण है जो विलासिता और दक्षता की भावना को सावधानीपूर्वक मिश्रित करते हुए बेहतर आराम और उन्नत तकनीक प्रदान करता है। जबकि प्रदर्शन शीर्ष श्रेणी का बना हुआ है, 10+ फीचर्स उन ग्राहकों के साथ दृढ़ता से प्रतिध्वनित होने की उम्मीद है जो अपनी विकसित जीवनशैली आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से एक आकर्षक प्रस्ताव के साथ पूरी तरह से लोडेड पेट्रोल रूपांतर की तलाश में हैं।

इसके अलावा, हम न केवल इनोवा हाईक्रॉस बल्कि अपने पूरे उत्पाद पोर्टफोलियो को मिली जबरदस्त स्वीकृति के लिए अपने ग्राहकों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमें प्रेरित करती रहेगी और भविष्य में नवीन उत्पादों और सेवाओं के निर्माण के लिए प्रेरित करेगी।''

एक्स-शोरूम कीमतों का विवरण (ग्रेड-वार) इस प्रकारहै:

रुपांतर एक्स शोरूम कीमत (15 अप्रैल 2024 से प्रभावी)

मोटोरोला ने लॉन्च किया moto g64 5G

नईदिल्ली। भारत के सर्वश्रेष्ठ ##5G स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला ने आज moto g64 5G के लॉन्च की घोषणा की, जो इस सेगमेंट का सबसे शानदार ##5G स्मार्टफोन है। moto g64 5G ने दुनिया के पहले MediaTek™ Dimensity 7025 प्रोसेसर और इस सेगमेंट की सबसे दमदार 6000mAh बैटरी के अलावा सेगमेंट के सबसे बेहतर शेक फ्री 50MP OIS कैमरे और Quad Pi&el टेक्नोलॉजी के साथ 15 हजार से कम कीमत वाले स्मार्टफोन बाजार में धूम मचा दी है, क्योंकि यह स्मार्टफोन सिर्फ 14,999 रुपये (ऑफ़र के साथ सिर्फ 13,999 रुपये) की कीमत पर उपलब्ध है। सबसे बेहतर प्रोसेसर, बैटरी और कैमरे जैसी खूबियों के अलावा, यह इस सेगमेंट में सबसे शानदार 12GB RAM + 256GB स्टोरेज वाला स्मार्टफोन भी है, जिसकी कीमत सिर्फ 16,999 रुपये (ऑफर के साथ सिर्फ 15,999 रुपये) है।

भारतीय जनता पार्टी जनहित व देशहित के लिए काम करती है : भावना बोहरा

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने जनसंपर्क कर लोकसभा चुनाव हेतु जनता से भाजपा के लिए समर्थन मांगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों एवं जनहित की योजनाओं के बारे में जनता से संवाद किया एवं ग्राम दशरंगपुर, झिरौनी, इंदौरी, बहरमुड़ा, पनेका, अमलीडीह, डेहरी, गोपालभवना, झलमला एवं खपरी चुनावी सभा में कहा कि भारतीय जनता पार्टी जनहित व देशहित के लिए काम करती है।

भाजपा का संकल्प पत्र युवाशक्ति, नारीशक्ति, किसान और गरीब को समर्पित-विधायक भावना ने कहा कि लोकसभा चुनाव देश का चुनाव है। आपका एक वोट विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए बहुमूल्य है। इसलिए भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करें और नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाए। कल भाजपा ने अपने संकल्प पत्र ﾑमोदी की गारंटी में कई अहम घोषणाएं की है, जो भारत प्रगति

व उन्नति को नई गति देने वाला है साथ ही छत्तीसगढ़ के विकास को भी बढ़ाने वाला है। भाजपा का संकल्प पत्र युवाशक्ति, नारीशक्ति, किसान और गरीब को समर्पित है। 70 वर्ष की आयु से ऊपर के हर बुजुर्ग को आयुष्मान योजना के दायरे में लाने और उन्हें 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा की घोषणा की है। मुफ्त राशन को आगामी 5 वर्षों तक जारी रखने और 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी योजना के माध्यम से सशक्त बनाने, नई शिक्षा नीति, आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाने, वन्दे भारत एक्सप्रेस का विस्तार, नारीशक्ति वंदन अधिनियम लागू करने एवं स्वसहायता समूह की बहनों को कौशल प्रशिक्षण देकर, उनके उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने जैसे कई घोषणाएं की है जिनसे भारत व हर भारतवासी को लाभ मिलेगा।

पंडरिया विधायक भावना ने आगे कि जिस प्रकार छत्तीसगढ़ में मोदी जी की गारंटी को हमारे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी पूरा कर रहें हैं। उसी प्रकार भाजपा के संकल्प पत्र में की गई सभी घोषणाएं भी पूरी होने की गारंटी मोदी जी ने दी है। आज छत्तीसगढ़ में विकास के जो कार्य कांग्रेस शासन में ठप्प पड़े थे उसे पुन: शुरू किया गया। कांग्रेस ने स्वसहायता समूह की बहनों से रेडी-टू-ईट का अधिकार छिनने का काम किया और हमारी सरकार ने उन्हें उनका अधिकार फिर से दिया। हमारे पंडरिया विधानसभा में किसानों को सिंचाई के लिए असुविधा हो रही थी सुतियापाट नहर विस्तारीकरण के कार्य को स्वीकृति मिलने के बाद भी 5 वर्षों तक लटकाया गया लेकिन आब उसका भूमिपूजन होने सैकड़ों गाँव के किसानों को इसका लाभ मिलेगा। दो वर्ष का बकाया बोनस हो या महतारी वंदन योजना का लाभ, किसानों से धान खरीदी और 18 लाख पीएम आवास का वादा महज 100 दिनों के भीतर हमारी सरकार ने इन सभी घोषणाओं को पूरा करके अपनी प्रतिबद्धता को स्पष्ट किया है। इसलिए आने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी संतोष पाण्डेय को कमल निशान में बटन दबाकर प्रचंड मतों से विजयी बनाने के लिए आप सभी अधिक से अधिक मतदान करें और नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने में अपना सहयोग प्रदान करें।

विदित हो कि भावना बोहरा द्वारा लोकसभा चुनाव के लिए लगातार अपने क्षेत्र में जनसंपर्क किया जा रहा है और जनता के बीच भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील कर रही हैं। अपनी कार्यशैली एवं जनता के बीच उनकी सक्रियता से भाजपा को अपार जनसमर्थन मिल रहा है। नवरात्र उपवास के बाद भी भावना बोहरा लगातार खाली पैर जनता के बीच पहुंचकर मोदी की गारंटी के बारे में जनता को बता रही हैं और भाजपा सरकार की उपलब्धियों व नीतियों का जन-जन तक प्रचार कर रहीं हैं।

विधायक गजेंद्र संग कातुलबोर्ड के नागरिकों ने की चाय पे चर्चा

दुर्ग (समय दर्शन) । कातुलबोर्ड के निवासियों ने विधायक गजेंद्र यादव संग चाय पे चर्चा किये। विकसित भारत, शासन की योजनाओं और नागरिक सुविधाओं को लेकर चर्चा करते हुए नागरिकों ने अपनी समस्याओं का समाधान करने विधायक से अपील किये। चाय पे चर्चा कार्यक्रम के चौथे दिन सामाजिक विषय और छोटी छोटी जरूरतो को बड़ी सहजता से नागरिकों ने अपनी बातों रखे। कातुलबोर्ड वार्ड 59-60 के नागरिकों के साथ चाय पे चर्चा में विधायक गजेंद्र यादव को अपने परिवार के सदस्य की तरह वार्ड की मूलभूत समस्याओ से अवगत कराये जिस पर उन्होंने उनकी सभी समस्याओ का निराकरण करते हुए दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में विकास की निरंतरता बनाये रखने आशावस्त किये। वरिष्ठ नागरिकों ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, नागरिक सुविधाओ और उन्हें अमल में लाने की प्रक्रिया को लेकर चर्चा किये जिस पर विधायक गजेंद्र यादव ने सभी सवालों का जवाब देते हुए शासन का पक्ष रखा। पार्षद शिवेंद्र परिहार व पूर्व पार्षद अल्का बाघमार की उपस्थिति में वार्ड के समस्त नागरिकों ने व्यक्तिगत परिचय देकर सभी ने विधायक का स्वागत अभिनन्दन किये।

महाअष्टमी की शुभकामनायें –

विधायक गजेंद्र यादव ने समस्त नागरिकों को नवरात्रि के महाअष्टमी की शुभकामनायें दी है। माँ अम्बे का आशीर्वाद हम सभी पर बनी रहे। शहर के मंदिर और घरों में स्थापित ज्योत जांवारा कार्यक्रम में शामिल होकर उन्होंने सभी के सुख समृद्धि की कामना किये।

संक्षिप्त-खबर

श्रीराम कथा अमृत सुनने उमड़े श्रद्धालु

बसना(समय दर्शन)। बसना विधानसभा अंतर्गत पिथौरा नगर से लगा जागरूक ग्राम अंजली बिहार कर्मचारी कॉलोनी लहरौद पिथौरा में श्रीराम कथा अमृत महोत्सव मे इन दिनों प्रभु श्री राम जी का पावन कथा श्रवण करने हजारों लोगों की भीड उमड रही है। आयोजन के सम्बंध में दिनाँक 14 अप्रैल2024 को अपरान्ह 03:00 बजे सामुहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया ।03:15 बजे मानस मंच पर संगीतकारों का रसमय व कर्भणप्रिय भजन की मनमोहक प्रस्तुति एवं 03:30 बजे साध्वी श्री राधिका किशोरी जी का मंच पर आगमन पश्चात भजन सत्संग के माध्यम से सरस संगीतमय पावन रामकथा यात्रा प्रारंभ हुआ । कथा प्रसंग में राम का चौदह वर्ष के लिए वन गमन मे भार्या सीता व अनुज लक्ष्मण का हठ पूर्वक साथ चलने की मार्मिक कथा वृत्तांत ।सरयू पार करने केवट से मित्रता,श्रीं राम व केंवट प्रसंग की प्रस्तुति के चित्रांकन से कुछ पल लगने लगा था कि, हम भी सरयू तट पर श्री राम केंवट संवाद को निहार रहे हो ।इस कथा प्रसंग के साक्षी लहरौद ,पिथौरा नगर वासियों एवं क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु भक्त वृन्द उपस्थित रहे।

नवरात्र पर सतरुपा शीतला मंदिर में जसगीत-झांकी की मची धूम

दुर्ग (समय दर्शन) । कसारीडीह सिविल लाइन स्थित मां सतरूपा शीतला मंदिर में आयोजित जसगीत झांकी कार्यक्रम में समाजसेवी सुरेंद्र शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने मां शीतला के दर्शन कर शहर की सुख समृद्धि के लिए कामना की। जस गीत झांकी कार्यक्रम में समाजसेवी सुरेंद्र शर्मा ने मंदिर में प्रस्तावित भव्य मुख्य प्रवेश द्वार के निर्माण के लिए 51 हजार रुपए सहयोग राशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन लोक कलाकार शिवाकांत तिवारी ने किया। इस दौरान सतरूपा शीतल सेवा समिति अध्यक्ष रोमनाथ साहू, उपाध्यक्ष शिवसागर सिन्हा, सचिव प्रदीप देशमुख, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र धर्माकर, श्री साई मंदिर समिति के सचिव धनेंद्र सिंह चंदेल, संतोष खिरोडकर, संतोष यदु, अजय सुरपाम, श्रीधर भजने के अलावा मंदिर समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सुदूर वनांचल के गांव बिंदावल में मतदान करने दिलाई गई शपथ

मुंगेली (समय दर्शन) । जिले के लोरमी विकासखण्ड के सुदूर वनांचल ग्राम बिंदावल में मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया, जिसके तहत गॉव के मतदाताओं को ''शत-प्रतिशत मतदान, मुंगेली जिले का अभिमान'' का संदेश दिया गया। क्रेडा विभाग के अधिकारी सना खान ने बताया कि ग्रामिणों को 07 मई को लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए शपथ दिलाई गई और अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया। बता दें कि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल देव के निर्देशानुसार जिले में स्वीप कार्यक्रम के तहत लगातार मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही रंगोली, निबंध, चित्रकला, मेंहदी प्रतियोगिता, नुक्कड़-नाटक, बैनर-पोस्टर, दीवार लेखन, सेल्फी प्वाइंट आदि गतिविधियों के माध्यम से मतदान करने के लिए मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है।

यादव समाज के फुलझर राज प्रमुख का बसना तहसील में एक दिवसीय दौरा

बसना (समय दर्शन) । छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज के प्रदेशाध्यक्ष जगनिक यादव के साथ प्रदेश व जिला पदाधिकारीयों का महासमुंद जिले के अंतर्गत बसना तहसील में एक दिवसीय दौरा कार्यक्रम आज सम्पन्न हुआ ।आज के कार्यक्रम में पहुंचकर प्रदेश अध्यक्ष ने फुलझर राज के महिला पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया और कहा कि, आप लोग अधिक से अधिक नारी शक्ति को समाज के मुख्य धारा में जोड़ने का कार्य करें तो हमारे सामाजिक संगठन मे मजबूती आएगी। समाज के विकास के साथ संगठन को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए ,विविध ज्वलंत मुद्दों और समस्याओं के समाधान के लिए चर्चा परिचर्चा करते हुए विषयानुसार मंथन कर सामाजिक गतिविधियों के उत्तरोत्तर प्रगति के लिए मार्ग दर्शन प्रदान किया गया । उन्होने कहा कि, सामाजिक भावना के निमित्त जागरूकता के साथ सबको आगे आकर कुछ न कुछ योगदान देना होगा ,तभी उन्नत समाज की कल्पना की जा सकेगी । प्रदेशाध्यक्ष ने फुलझर राज में समाज के द्वारा समाज हित मे किये जा रहे संगठन के कार्यों की सराहना किया ।आज प्रदेश अध्यक्ष के साथ राजनीतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राजू यादव व महासमुंद जिलाध्यक्ष प्रीतम यादव , संरक्षक नंद लाल यादव,राहुल चंद्राकर, पतित यादव , देवराज यादव सहित फुलझर राज झेरिया यादव समाज पदाधिकारियों के साथ मुख्य रूप से फुलझर राज कोषाध्यक्ष खुलू राम यादव, केंद्रीय उपाध्यक्ष गंगाधर यादव,फुलझर राज संरक्षक पीला दाऊ यादव, हिरा लाल यादव, केंद्रीय सलाहकार ठंडाराम यादव, राम लाल यादव, तहसील संरक्षक रंजीत यादव, तहसील अध्यक्ष नरेन्द्र यादव, तहसील सचिव कुंजराम यादव, सरायपाली तहसील अध्यक्ष कैलाश यादव, तहसील संरक्षक मनोज यादव, केंद्रीय सलाहकार मनीराम यादव, जमदरहा परिक्षेत्र अध्यक्ष पेनकू यादव, सचिव सम्पत्ति यादव, गोरटेक परिक्षेत्र सचिव रविशंकर यादव, टेमरी परिक्षेत्र अध्यक्ष बसंत यादव, जेराभरण परिक्षेत्र सचिव प्रभाकर यादव, बसना शहर सचिव आजू यादव, डायमंड यादव,रुपलाल यादव, बिहारी यादव, घसीया यादव, केंद्रीय अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ संतोषी यादव,महिला प्रकोष्ठ तहसील अध्यक्ष श्रीमती सुमन यादव, सरायपाली तहसील अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ कुमारी रिंकी यादव बसना संगठन मंत्री पुजा यादव, समाजिक बंधु उपस्थित रहे। यह जानकारी मिडिया प्रभारी ओमप्रकाश यादव एवं बसना मिडिया प्रभारी अरुण यादव ने दी।

बढ़ती सड़क दुर्घटना के बाद भरर चौक पाटन में ब्रेकर बनाने की मांग

- नगर के व्यापारी संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पाटन (समय दर्शन)। नगर पंचायत पाटन के भरर चौक में ट्रेफिक का दबाव काफी बढ़ गया है। गाड़ियों बहुत तेजी से चलती है। जिसके कारण आए दिन सड़क दुर्घटना होने लगी है। बढ़ती सड़क दुर्घटना पर रोक लगाने के लिए पाटन नगर व्यापारी संघ ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पाटन के दो तीन जगह छोटे छोटे ब्रेकर बनाने की मांग की है। कलेक्टर को सौपे ज्ञापन में बताया गया है की नगर पंचायत पाटन के मुख्यमार्ग आत्मानंद चौक, भरर चौक, आजाद चौक में भीड़ भाड़ व दुपहिया चार पहिया वाहन सहित हाईवा अधिक रफ्तार से चलता है। पूर्व में कई बार लिखित सूचना दिया जा चुका है।। कई बार दुर्घटना हो चुका है ।।भरर चौक में 6 माह पूर्व एक खम्हरिया के व्यक्ति का दुर्घटना में मृत्यु हो चुका है। दो दिन पूर्व एक और दुर्घटना हुआ है। छोटे छोटे दुर्घटना आए दिन होता रहता है। इस पर अंकुश लगाने के लिए आत्मानंद चौक, भरर चौक, आजाद चौक, में छोटा चार लाईन का गति अवरोधक बनवाना जरूरी हो गया है। ज्ञापन में बताया है की ।बस स्टैण्ड, तहसील कार्यालय पाटन का सड़क में बने मिडिल कट को दुर्घटना न हो करके बंद किया गया है।। इस कारण से भरर चौक में वाहन का दबाव बढ़ गई है। बस, भार वाहन, बड़ा वाहन, दुपहिया वाहन का दबाव अधिक है। व्यापारी संघ के अध्यक्ष होरीलाल देवांगन ने मांग किया है की जनहित में तत्काल उपरोक्त मांगो को पूरा करने की व्यपारी संघ पाटन एवं नागरीकगण मांग करे।

आयुक्त ने ली समीक्षा बैठक, मतदान केन्द्रों में सुविधाएं उपलब्ध कराने अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियां

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम ।लोकसभा आम निर्वाचन में मतदान केन्द्रों में सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई है।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर द्वारा निगम क्षेत्र के मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक लेकर मतदान केन्द्रों में सुविधाएं उपलब्ध कराने अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।आयुक्त ने बैठक में मतदान केन्द्रों में सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध कराने विस्तृत दिशा-निर्देश का हवाला देते हुए निगम के अधिकारियों को विभागवार कार्य निर्धारित किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिव्यांग, वृद्धजन एवं नि:शक्त मतदाताओं के लिए प्रत्येक मतदान केन्द्र पर अच्छी हालत की पर्याप्त संख्या में ई रिक्शा व व्हील चेयर की उपलब्धता सुनिश्चित कराने की बात कही।दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा हेतु प्रत्येक मतदान केन्द्र तक पहुंचने के लिए अधिकारी को दायित्व सौंपी गई है। इसी प्रकार मतदान केन्द्र पर सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं जैसे पीने का पानी, प्रतिक्षा शेड सुविधा के साथ दिव्यांग मतदाताओं के अनुकूल शौचालय, प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था,दिव्यांग मतदाताओं के लिए उचित ढाल का स्थायी रैम्प और निर्धारित मानकों के अनुसार मतदान कक्ष निर्मित करने को कहा। मतदान दिवस को दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं के सहयोग हेतु,मतदान केन्दों पर पधारने वाले दिव्यांग एवं 80 प्लस आयु वर्ग के वरिष्ठ मतदाताओं के लिए चेयर की व्यवस्था उनके घर से लाने एवं मतदान पश्चात् उन्हें वापिस उनके घर तक छोड़ने हेतु नि:शुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु इ-रिश्ता की व्यवस्था सुनिश्चित करनेआयुक्त ने कहा।उन्होंने कहा कि सभी मतदान केन्द्रों का अधिकारी भौतिक सत्यापन करें। उन्होंने बिजली, पानी,स्वच्छता के साथ दिव्यांग मतदाताओं के लिए एक-एक ट्राइसिकल रखने की व्यवस्था करने भी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये।इसके लिए सभी जिम्मेदार अधिकारी अपने अपने क्षेत्र में निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करें तथा सभी मतदान केंद्रों में विद्युत, रैम्प, पेयजल, शौचालय, फर्नीचर इत्यादि की व्यवस्था करना सुनिशित करें।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने सभी अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन सुचारू रूप से करने के निर्देश दिए। उन्होंने मतदान केंद्रों में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने कहा।गर्मी को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त संख्या में पंखों एवं कूलर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।उन्होंने अधिकारियों को जिम्मेदारी से गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए।उन्होंने सभी मतदान केंद्रों में सेल्फी पॉइंट लगवाने साथ साथ सभी सुपर वाइजरो का मोबाइल नंबर मतदान केंद्रों में चस्पा करने के लिए स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए। बैठक के दौरान उपायुक्त मोहेंद्र साहू, कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम, सहायक अभियंता आरके पलिया, सहायक अभियंता व भवन अधिकारी गिरीश दीवान, जितेंद्र समैया, संजय ठाकुर,जावेद अली, दुर्गेश गुप्ता,राजेन्द्र ढबाले, विनोद मांझी, हरिशंकर साहू, स्वेता महलवार, भारती ठाकुर, मोहित मरकाम, पंकज साहू, विकास दमाहे, करण यादव, शोएब अहमद आदि मौजूद रहे।

महाअष्टमी पर निगम परिसर माँ दुर्गा मंदिर में हुआ हवन-पूजन, सुख समृद्धि की कामना

दुर्ग (समय दर्शन) । नगर पालिक निगम में चैत्र नवरात्रि की महाअष्टमी पर निगम परिसर स्थित मां दुर्गा मंदिर में महाअष्टमी का कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम को विधि विधान से विशेष पूजा अर्चना कर हवन की गई! माता दुर्गा मंदिर में हवन पूजन सम्पन्न कर सुख समृद्धि की कामना की गई। हवन और पूर्णाहुति के बाद माता स्वरूप कन्याओं को भोजन कराया गया।हवन कार्यक्रम में नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारीगण मौजूद थे। प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी चैत्र नवरात्रि के महापर्व पर नगर निगम परिसर में महाप्रसादि का आयोजन कर नव कन्याओं को भोज में आमंत्रित किया गया।प्रसाद वितरण में खीर,पुड़ी,हलवा इत्यादि बनाया गया था।प्रसाद ग्रहण कर निहाल हुए भक्त। कार्यक्रम में मौजूद कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम,दुर्गेश गुप्ता,रमाकांत शर्मा,योगेश सूरे,शुभम गोईर,शौएब अहमद,लता यादव,योगेंद्र वर्मा,साक्षी वर्मा,हेमलता वर्मा,दामिनी भुवाल,प्रिंसी सिंह,भुवनदास साहू, ईस्वर वर्मा,मनोहर गोस्वामी,सत्यनाराण शर्मा,रेखा कुर्रे,मुन्ना यादव,चित्रलेखा चन्द्रकर,शशिकांत यादव,बागेश्वर यादव,गौरव यादव,रवि यादव,सूरज सारथी,कविता साहू के अलावा भक्तगण माँ दुर्गा से आशीर्वाद प्राप्त किये।

कांग्रेस झूठे वायदे करती हैं, भाजपा हैं जो कहती हैं वह करती हैं - लक्ष्मी राजवाड़े

राजनांदगाँव (समय दर्शन) । भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी संतोष पांडे को भारी मतों से विजयी बनाने के लिए महिलाओं का जोरदार अभियान पूरे संसदीय क्षेत्र में चल रहा हैं, इसी क्रम में कल राजनांदगाँव विधानसभा क्षेत्र के तीन स्थानों पर महतारी वंदन सम्मान समारोह के बड़े सम्मेलन आयोजित किए गए। इन सम्मेलनों को संबोधित करते हुए प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कांग्रेस पर खुला आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा झूठे वायदों के लिए प्रसिद्ध है किसी समय गरीबी हटाओ का नारा देने वाली इस पार्टी ने केंद्र की सत्ता में लंबा कार्यकाल गुजरा, पर पूरे देश से ना तो गरीबी हटी और ना ही गरीबों की माली हालत में कोई सुधार आया। वो तो भला हो मोदी जी का जिनहोने कांग्रेस के तमाम तानों-बनो को ध्वस्त करते हुए केंद्र की सत्ता संभाली और जनता से किए गए एक-एक वायदों को पूरा किया। भाजपा मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार टेड़ेसरा, सुरगी व शंकरपुर में आयोजित महतारी वंदन सम्मान समारोह में महिलाओं की जोरदार उपस्थिति रही। श्रीमती राजवाड़े ने उपस्थित मातृ शक्ति को श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया तथा कहा की भाजपा वायदा निभाने वाली पार्टी हैं। विधानसभा के चुनाव हो या लोकसभा के, हम जो भी घोषणाए करते हैं उन्हे अक्षरस: पूरा करके दिखा देते हैं इतिहास इस बात का साक्षी हैं। महतारी वंदन योजना जिसके तहत महिलाओं को एक हजार रुपए प्रति माह प्रदेश शासन द्वारा दिया जा रहा हैं उन्होंने इस योजना को महिलाओं के लिए भाजपा शासन का ऐतिहासिक फैसला बताया। उन्होंने कहा की केंद्र की भाजपा सरकार अब 04 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी योजना से जोड़ने का कार्य करेगी। उज्ज्वला योजना निरंतर जारी रहेगी। अगले लोकसभा व विधानसभा चुनाव में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा जिससे लोकसभा व विधानसभा में महिलाओं की उपस्थिति बढ़ेगी।श्रीमती राजवाड़े ने आगे कहा की पिछले चुनाओं में कांग्रेस ने किए गए कोई भी वायदों को पूरा नहीं किया, चाहे वह महिला स्वसहायता समूहों के कर्ज माफी का विषय हो, चाहे महिलाओं को पाँच सौ रुपए प्रति माह देने की बात हो। इन्ही वादाखिलाफी के कारण कांग्रेस प्रदेश की सत्ता वंचित हो गयी और अब एक बार फिर इस लोकसभा चुनाव में फर्जी फार्म भरवाकर महिलाओं को दिगभ्रमित करने की कोशिश कर रही हैं। अब देश का महिला वर्ग जागरूक हो गया हैं तथा कांग्रेस के खोखले वायदों में फसने वाला नहीं हैं। उन्होंने महिला वर्ग का आह्वान करते हुए कहा कि स्वाभिमान व आत्मसम्मान से बढ़कर कुछ भी नहीं होता। मोदी जी ने महिलाओं के स्वाभिमान व आत्मसम्मान को बढ़ाने के लिए अनेक कार्य किए हैं इसलिए महिलाओं का यह नैतिक कर्तव्य हैं की एक बार फिर मोदी सरकार बनाने में मदद करे। सम्मेलन को पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने संबोधित करते हुए कहा की मोदी जी के नेतृत्व में पूरे देश में महिलाये पूर्ण रूप से सुरक्षित हैं और आगे भी रहेगी। इस दौरान प्रमुख रूप से महिला मोर्चा की लोकसभा प्रभारी आभा तिवारी, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष किरण साहू, महिला मोर्चा की विधानसभा प्रभारी डा. रेखा मेश्राम, जिला महामंत्री पारूल जैन व देवकुमारी साहू, प्रतीक्षा भण्डारी, पुष्पा गायकवाड़, कनक दुबे, संध्या पांडे, मधू साहू, दीपा साहू, मिथलेश्वरी वैष्णव, संगीता मिश्रा सहित अनेक महिला कार्यकर्ता एवं सैकड़ों ग्रामीण महिलाये उपस्थित थी।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2022-24